ISSN 2349-6614

जुलाई 2019

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

मेवाड़ की बिटिया को 'मिस इंडिया' खिताब

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 17 अंक 5 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2018-2020 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Chetak Circle, Udaipur

With Best Compliments

AR Imperia

2 & 3 BHK Luxurious Apartment

RERA Registered Project

Few Flats Available

Possession soon

Site : 178 F to 178 O, Near Pani Ki Tanki, Meera Nagar, Shobhagpura, Udaipur

For Booking and enquiry, Contact : 9414161080, 8233139206

जुलाई
2019
वर्ष 17, अंक 5

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू.
वार्षिक 600 रू.

अन्दर के पृष्ठों पर...

07 ध्यानाकर्षण

इतिहास की भूलों की सजा राहुल गांधी को क्यों ?

14 प्रसंगवश

'मौन' के बाद मैदान से बाहर

20 ज्योतिष

सन्तानोत्पत्ति में बाधक योग

26 धरोहर

सर! ... संभालिए अपना 'ताज'

32 खेल–खिलाड़ी

'युवराज' का संन्यास

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स Supreme Designs
विकास सुहालका

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग येलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

आकाश वागरेचा

मो :- 94141-69241

EVEREST GROUP OF COMPANIES
SINCE 1963

एवरेस्ट ग्रुप ऑफ कम्पनीज

शुभलक्ष्मी बिल्डकॉन प्रा. लि.

सावा सर्जिकल प्रा. लि.

एवरेस्ट नेचुरो हर्ब प्रा. लि.

एवरेस्ट इंटरनेशनल होटल एंड रेस्टोरेंट

एवरेस्ट आशियाना बिजनेस प्रा. लि.

169-ओ रोड, भूपालपुरा, उदयपुर (राज.)

शांत भी हो जाओ, अग्निकन्या!

पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के बाद हिंसा का जारी रहना इसलिए ज्यादा चिंतनीय है क्योंकि इसके पीछे सियासी निहितार्थ भुनाने की कोशिश में निर्दोष लोग मारे जा रहे हैं। यहां तक कि ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जैसे शिखर पुरूष की प्रतिमा तक को तोड़ा गया। हिंसक झड़पों में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के कार्यकर्त्ताओं के मरने की खबरें मिल रही हैं। लोकतंत्र में राजनीतिक दलों और उनके कार्यकर्त्ताओं के बीच वैचारिक टकराव एक स्वाभाविक प्रक्रिया है, पर वह हिंसक रूप ले ले तो उसे उचित नहीं कहा जा सकता। इस तरह की हिंसा के लिए सम्बन्धित दल और उनका नेतृत्व ही पूरी तरह जिम्मेदार माना जाएगा, क्योंकि वह सत्ता का स्वाद तो लेना चाहता है किन्तु अपने कार्यकर्त्ताओं को मर्यादित और लोकतांत्रिक तरीके से व्यवहार करने का प्रशिक्षण देने में नाकाम तो रहता ही है, बलि भी इन्हीं की चढ़ती है और घर में दुबके नेताओं के खरोंच तक नहीं आती।

बंगाल की अग्निकन्या मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उर्फ दीदी माना कि स्वभाव से जुझारू हैं और किसी भी राजनैतिक मौके को जूझने का अवसर बनाकर जनता के बीच उतर जाने में सिद्धहस्त हैं, लेकिन ये वैसा राजनैतिक अवसर नहीं है, जिस पर उनकी पीठ थपथपाई जाए। अपने ही गृह राज्य में उनके पैरों तलों से राजनीतिक ज़मीन खिसक रही है। भारतीय जनता पार्टी ने लोकसभा चुनाव में जिस तरह से उन्हें शिकस्त दी है, उससे उनका उखड़ना स्वाभाविक है, किन्तु हिंसा की प्रेरक स्थितियां पैदा करना और उसके लिए पार्टी कार्यकर्त्ताओं और किराये के गुण्डों का सहारा लेना कतई उचित नहीं कहा जा सकता। ऐसा करके वे लोकतांत्रिक परम्पराओं और मर्यादाओं को ठेस ही पहुंचा रही हैं।

चुनाव से पूर्व सीबीआई और राज्य की पुलिस में जो रस्साकशी चली और ममता बनर्जी मर्यादाओं के परे एक सामान्य पुलिस नौकरशाह के समर्थन में धरने तक पर बैठी। यह उनकी राजनीतिक रणनीति का ही एक हिस्सा था। इसे इन्होंने मोदी सरकार द्वारा राज्य पुलिस को बदनाम करने की साजिश के तौर पर पेश किया। चुनावी फायदे के लिए जो हालात पैदा किए, उनका विपरीत असर हुआ। जनमानस उनके ही खिलाफ होता चला गया। वे समझ नहीं पाई और अन्य विपक्षी दलों की शह पर मामले को केन्द्र सरकार के विरूद्ध राष्ट्रव्यापी बनाती चली गई। वे यह गलतफहमी पाल बैठीं थी कि प. बंगाल की जनता उनकी आवाज पर ही उठती और बैठती है। लेकिन नरेन्द्र मोदी के आभामण्डल ने उनकी इस सोच की हवा निकाल दी।

जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए तो, ममता दी का माथा घूम गया, उन्हें यकीन ही नहीं हुआ कि भाजपा को बंगाल में 40 प्रतिशत वोट के साथ 18 सीटें मिल सकती हैं। दो दिन उन्होंने अपने आपको मुख्यमंत्री आवास में बंद कर लिया। गुस्सा सातवें आसमान से नीचे उतर ही नहीं रहा था। जब कोप भवन से निकली तो मीडिया ने घेर लिया - वह गुर्रा पड़ी। बोली - 'मैं इन नतीजों को स्वीकार नहीं करती।' वाकई नतीजे अप्रत्याशित थे। मोदी का जादू बंगाल के जादू पर भारी पड़ गया। पूरी तृणमूल कांग्रेस पार्टी गहरे सदमे में थी। लोकसभा की 42 में से 18 सीटें उनके हाथ से निकलने का अर्थ आगामी विधानसभा चुनाव में हार की दस्तक जैसा था। गुस्से में भरी ममता ने हार का ठीकरा अपने ही पार्टी नेताओं के सिर फोड़ दिया। इसका भी असर उल्टा हुआ और वे पार्टी छोड़ने लगे। विधानसभा के कुछ टीएमसी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया तो कुछ भाजपा में शामिल हो गए। ऐसे में दीदी को शायद यही ठीक लगा कि राज्य में अराजक स्थिति पैदा कर उसका दोष भाजपा के मत्थे मढ़ दिया जाए। कांग्रेस की इस बात के लिए प्रशंसा करनी होगी कि उसने ममता की पार्टी से गठबंधन न कर बड़ी समझदारी का काम किया। राज्य में टीएमसी के खिलाफ सत्ता विरोधी रूझान पूरे उफान पर है। उसके कई नेता निष्ठाएं बदलने को आतुर हैं। पचास पार्षदों सहित दो विधायक भाजपा में शामिल हो चुके हैं। कोलकाता अस्पताल में डॉक्टरों पर हमला और हमले को मुख्यमंत्री के मौन समर्थन ने आग में घी का काम किया। डॉक्टरों ने हड़ताल कर दी, जिसे राष्ट्रव्यापी समर्थन मिला। अन्ततः सप्ताह भर बाद मुख्यमंत्री के घुटने टेकने पर हड़ताल खत्म हुई।

राजनीति का अपराधीकरण लम्बे समय से चिंता का विषय रहा है। दुर्भाग्यवश इसे कोई भी दल गंभीरता से नहीं ले रहा। जिसका परिणाम यह है कि गांव की पंचायत से लेकर देश की सबसे बड़ी पंचायत के चुनावों में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का दबदबा रहता है। हाल ही सम्पन्न लोकसभा चुनाव भी इससे अछूते नहीं रहे। चुनावों में बाहुबल और धनबल की भूमिका की स्वीकार्यता से कार्यकर्त्ताओं में कहीं न कहीं यह विश्वास पैठ जाता है कि पार्टी नेता उनकी अराजक गतिविधियों पर परदा डालने जरूर आगे आएंगे, क्योंकि यही कार्यकर्त्ता उनके चुनावी रथ के सारथी बनते हैं। बंगाल की हिंसा के पीछे भी ऐसी ही मानसिकता काम कर रही है। मुख्यमंत्री को समय रहते हवा का रूख भांपना चाहिए अन्यथा वे भी राजनीति के मैदान से उस तरह आऊट हो जाएंगी जैसे 25 वर्षों तक वामपंथी बंगाल में राज करने के बाद आज ढूंढने पर भी कहीं दिखाई नहीं दे रहे।

RAHUL ENGINEERS LABORATORY

(An Independent Third Party Material Testing Laboratory)
ISO/IEC 17025: 2005 Accredited Laboratory by NABL (Quality Council of India)
ISO 9001: 2015 Certified Laboratory

Lalit Paneri (CEO)
9829043949

A reliable testing center for chemical and mechanical parameters of :

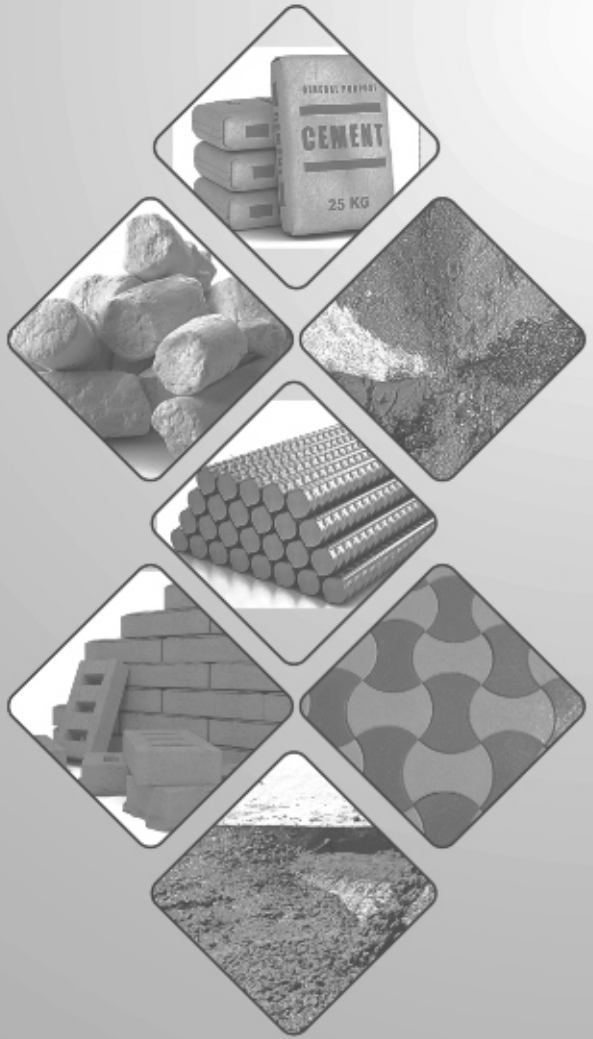

Cement	Aggregate
Bricks	Concrete
Paver Block	Soil
Rock	TMT Steel Bar
Bitumen	Bituminous Mix
Sand	Ores & Minerals
Water	Soapstone
Quartz	Feldspar
Limestone	Dolomite
China Clay	Iron Ore & Bauxite

- Diatomaceous/ Siliceous Earth
- Cement Concrete Mix Design
- Bituminous Mix Design
- Geo-Tech Investigation of Soil
- Non Destructive Test on Concrete Structure
- Field Investigation

5-A, Chitrakut Nagar, Bhuwana By-pass Road, Udaipur (Raj.) Pin- 313001 INDIA
Tel.: +91-294-2440317, 2440613, Call: +91 63503-24167, +91 81073- 43935
Email: rahul.labudr@gmail.com, Website: www.rahulengineers.com

इतिहास की भूलों की सजा राहुल गांधी को क्यों?

– वेदव्यास

कांग्रेस को अपनी आलोचना-समीक्षा सुनकर निराश नहीं होना चाहिए। उसे अपने भीतर एक परिवर्तन और सुधार की तात्कालिक और दूरगामी जन सेवा और जन संघर्ष की रणनीति पर धैर्य से काम करना चाहिए।

यदि सच कहना अपराध है तो मैं इसे बार-बार कहना चाहूंगा कि भारत के स्वाधीनता संग्राम से निकली कांग्रेस पार्टी(1885) अपने इतिहास, भूगोल और राष्ट्र निर्माण के योगदान को भूलकर आज इतनी विचार विहीन कैसे हो गई है कि जो उसे ये एक बात 2014 और 2019 के जनादेश को पढ़ने के बाद भी समझ में नहीं आ रही है कि जागो! आगे सभी रास्ते बंद हैं। ऐसा भी नहीं है कि पिछले 134 साल के जीवन में कांग्रेस ने कभी कोई राजनीतिक संकट का सामना नहीं किया हो, लेकिन इतनी बात तो साफ है कि अब कांग्रेस के पास नेहरू, इंदिरा जैसे व्यापक जनाधार वाले नेता नहीं हैं जो 21वीं शताब्दी के लिए कांग्रेस को पुन: संगठित, समर्पित और संघर्ष वाहिनी बना सकें। फिर भी ये दुनिया विकल्पहीन नहीं है। अत: कांग्रेस को एक बार फिर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में नई सूझबूझ और विचारधारा की दृढ़ता लेकर अपना संगठनात्मक कायाकल्प करते हुए संसद में सजग और विश्वसनीय विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए। क्योंकि कांग्रेस अभी मरी नहीं है, वह अपने पुराने पाप-पुण्यों से पीड़ित है, जिन्हें उसे मिटाना है।

सन् 1935 में हिन्दू राष्ट्रवाद का सपना लेकर बना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जन संघ और भाजपा कांग्रेस के लिए आज इस बात का उदाहरण है कि विचारधारा और संगठन शक्ति के साथ हार-जीत की परवाह किए बिना 2014 में पहली बार उसे सम्पूर्ण बहुमत और 2019 में प्रचण्ड बहुमत का जनादेश मिला है और वो आज भी हिन्दू राष्ट्रवाद की ही राजनीति कर रही है। इसके ठीक विपरीत कांग्रेस के पास आज न तो कोई विचारधारा है और न ही कार्यकर्ताओं का कोई सक्रिय सेवादल है। ये इतिहास का और विज्ञान का एक सत्य है कि जो एक बार ऊपर जाता है वो फिर एक दिन लौटकर नीचे ही आता है। इंदिरा गांधी(1984) के रहने तक कांग्रेस राजनीति के शिखर पर थी लेकिन इसके बाद वो अनेक झंझावतों में होते हुए 2014 में जमीन पर आई है। तो आरएसएस 1925 से अब तक गिरती-पड़ती 1998 में शिखर पर आई। राजनीति में कोई भी हार और जीत अंतिम और अजेय नहीं होती। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी भी कांग्रेस की तरह 1952 के पहले लोकसभा चुनाव में प्रमुख विपक्ष थी लेकिन 2019 में वह धराशायी हो चुकी है। इसलिए राजनीति में शक्ति और जनादेश का ये चक्रव्यूह सदैव बना रहता है और जिस बहुमत का एक दिन उदय होता है उसका एक दिन अस्त भी होता है। इसलिए लोकतंत्र में जीत और हार का दुख और सुख अस्थाई है।

हम भारत के लोग सदियों से उगते सूरज को प्रणाम करने वाले हैं, तो हारने वाले की निंदा-भर्त्सना करने के आदि भी हैं। इसलिए कांग्रेस को भी अपनी आलोचना-समीक्षा सुनकर निराश नहीं होना चाहिए और अपने भीतर एक परिवर्तन और सुधार की तात्कालिक और दूरगामी जन सेवा और जन संघर्ष की रणनीति पर धैर्य से काम करना चाहिए। इतिहास में अब्राहम लिंकन,

महात्मा गांधी, माओत्सेतुंग, होचीमिन्ह, नेल्सन मंडेला आदि-आदि जन नायक आज भी इसीलिए अजर-अमर हैं क्योंकि ये सभी तरह के अंधेरों में आम जनता के लिए लड़ते-मरते थे। कांग्रेस कभी सोचे कि भारत में आज महात्मा गांधी और नेहरू, पटेल, आम्बेडकर, भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस का क्या विकल्प है? मेरी समझ से कांग्रेस(1885) और स्वतंत्र भारत(1948) के संविधान के उद्देश्यों में लोकतंत्र, समाजवाद ओर धर्मनिरपेक्षता(साझा संस्कृति) की समान विचारधारा की त्रिवेणी बहती है। इसलिए कांग्रेस अपनी गलतियों को ईमानदारी से कबूल करते हुए अपना नया संगठन और संकल्प दोहराए तथा दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और महिलाओं के जीवन संघर्ष से फिर जुड़े।

कांग्रेस को एक बार फिर लोकतंत्र और संविधान की रक्षा में नई सूझबूझ और विचारधारा की दृढ़ता लेकर अपना संगठनात्मक कायाकल्प करते हुए संसद में सजग और विश्वसनीय विपक्ष की भूमिका निभानी चाहिए। क्योंकि कांग्रेस अभी मरी नहीं है तथा अपने पुराने पाप-पुण्यों से पीड़ित है, जिन्हें उसे मिटाना है।

कांग्रेस का पुन: निर्माण और कायाकल्प आज और अभी इसीलिए जरूरी और संभव है क्योंकि लोकतंत्र से अब सक्षम विपक्ष गायब हो रहा है तो प्रचण्ड बहुमत की तानाशाही का खतरा उभर रहा है और सभी संवैधानिक संस्थानों ने एकधिकारवादी और व्यक्ति प्रधान झूठ और नफरत की राजसत्ता के आगे आत्मसमर्पण कर दिया है। कांग्रेस, कम्युनिस्ट, क्षेत्रीय दल और जातीय दलों को अब अपने तालाब में मेंढकों की राजनीति से बाहर आना चाहिए और कांग्रेस को भी इन्हें अपने साथ लेना चाहिए। क्योंकि कांग्रेस के पास अब खोने को बेड़िया हैं तथा पाने को जहान है।

कांग्रेस अब तो सोचे कि वो दुनिया की सबसे पुरानी और भारत पर कोई 55-60 साल तक राज करने वाली पार्टी होकर भी आज इतनी अकेली और दयनीय पार्टी क्यों है? और इतिहास की भूलों की सजा राहुल गांधी को क्यों मिल रही है? कांग्रेस की दाल में कहीं तो कुछ काला है। अत: दुश्मन से भी सीखिए और लोकतंत्र के हित में पुन: उठकर, जागकर जनता के बीच जाना चाहिए। एक शुभ चिंतक के नाते कांग्रेस को केवल ये याद दिला रहे हैं कि भारत में पिछले 72 साल में अद्भुत बदलाव आया है और चुनावों में करोड़पतियों, अपराधियों, दुष्प्रचार की तकनीकों तथा उद्योगपतियों की भारी दखल हो गई है जो एक काल्पनिक सपने दिखाकर जनादेश का अपहरण कर लेती है। अत: गरीबों का देश अब अमीरों की गुलामी से मुक्त होना चाहिए और आज कांग्रेस ही इसका एक विकल्प हो सकती है। संघ परिवार का पुराना प्रचार तथा मुस्लिम तुष्टिकरण और वंशवाद का आरोप अब यहीं समाप्त हो जाना जरूरी है।

Gajendra Bhansali

Deepak Bhansali

Pushpa Handicrafts Emporium

Manufacture & Exporters
Wholesalers and Retail Dealers in All Handicrafts Goods and Cloth Paintings

Specialists in :
GERMAN SILVER, METAL SHEET AND FURNITURE

HATHIPOLE, UDAIUR- 313001 (INDIA)

Tel. : 2423291, 2421077 (Show Room) 2450991 (Resi.) Fax : +91-294-2421077

गिरीश कर्नाड रंगमंच का राजदूत

गिरीश कर्नाड साहित्य, रंगमंच और सिनेमा के सशक्त हस्ताक्षर थे। समाज और राजनीति को लेकर एक एक्टिविस्ट के तौर पर भी वे देश-दुनिया में अपनी बेबाक राय के लिए चर्चा में रहे। इस बहुमुखी प्रतिभा का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति है।

– निष्ठा शर्मा

प्रख्यात लेखक, नाटककार, अभिनेता एवं फिल्म निर्देशक गिरीश कर्नाड का 10 जून को 81 वर्ष की आयु में देहावसान हो गया। वे लम्बे समय से श्वास सम्बन्धी रोग से पीड़ित थे। गिरीश एक मात्र ऐसे व्यक्ति थे, जो सिनेमा और साहित्य दोनों क्षेत्रों में शीर्ष पर रहे। वे जीवन के आखिरी वर्षों तक समाज और राजनीति को लेकर एक एक्टिविस्ट के तौर पर भी अपनी बेबाक राय रखते रहे। सही मायने में वे ऐसे बुद्धिजीवी थे, जिन्होंने किसी पर रियायत नहीं बरती। कर्नाड अपने विचारों को व्यक्त करने में हिचकिचाते नहीं थे। वे अपने अलग ही अन्दाज में घटना अथवा प्रसंग विशेष पर अपनी प्रतिक्रिया देते रहे। उन्हें इस बात की जरा भी परवाह नहीं थी कि केन्द्र में सरकार कांग्रेस की है, संयुक्त मोर्चा की या भाजपा के अटल बिहारी वाजपेयी के साथ अन्य दलों के गठबन्धन वाली। उनका पहली बार सख्त रूख 44 साल पहले तब सामने आया, जब उन्होंने इन्दिरा गांधी द्वारा घोषित इमरजेन्सी का विरोध करते हुए भारतीय फिल्म टेलीविजन संस्थान(एफटीआईआई) के निदेशक पद से इस्तीफा दे दिया। जबकि उनकी नियुक्ति ही इन्दिराजी ने की थी। हिन्दी लेखन और रंगमंच क्षेत्र में जिस तरह मोहन राकेश, मराठी में विजय तेंदुलकर और बंगाली में बादल सरकार का अप्रतिम योगदान रहा, वैसा ही कन्नड़ साहित्य और रंगमंच में गिरीश कर्नाड का था।

गिरीश रघुनाथ कर्नाड का जन्म 19 मई 1938 को माथेरन(महाराष्ट्र) में हुआ। उनकी प्रारंभिक शिक्षा भी मराठी में ही हुई। कन्नड़ भाषा से तो उनका प्रथम परिचय तब हुआ जब परिवार कर्नाटक के धारवाड़ में शिफ्ट हो गया। उस समय इनकी उम्र चौदह वर्ष थी।

कर्नाटक आर्ट्स कॉलेज से 1958 में गणित विषय में ग्रेजुएशन के बाद कर्नाड ने आगे की पढ़ाई इंग्लैण्ड(1960-63) में दर्शनशास्त्र, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान विषयों के साथ ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के लिकॉन तथा मॅगडेलन महाविद्यालयों से पूर्ण की। भारत आने के बाद मद्रास के ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस में सात वर्ष (1963-70) तक काम किया किन्तु लेखन और रंगमंच को पूरा समय देने के लिए उन्होंने वहां से त्यागपत्र दे दिया। इसके बाद कुछ समय अमेरिका में भी रहे जहां यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो में अध्यापन किया।

सिनेमा में योगदान

गिरीश कर्नाड ने कन्नड़ साहित्य में पहचान बनाने के बाद बतौर पटकथा लेखक फिल्मों की ओर रुख किया। 1970 में बतौर स्क्रीन रायटर कन्नड़ फिल्म 'सम्सकारा' से फिल्मों में डेब्यू किया। यह फिल्म यूआर. अनंतमूर्ति के उपन्यास पर आधारित थी। जिसमें उन्होंने भूमिका भी निभाई। उन्होंने कन्नड़ फिल्म 'वंश वृक्ष' 1971 से बतौर निर्देशक डेब्यू किया। इसके लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला।

कन्नड़ भाषा में उनकी अन्तिम फिल्म 'अपना देश' थी। उनकी मशहूर कन्नड़ फिल्मों में 'तब्बालियू मगाने', 'ओंदानोंदु कलादाली', 'चेलुवी', 'कादु' और 'कन्नडु हेगादितो' रहीं।

कर्नाड ने कई हिन्दी फिल्मों में भी अपने अभिनय का जौहर दिखाया। जिनमें 'निशांत', 'मंथन', 'स्वामी', 'पुकार', 'इकबाल', 'डोर', 'आशाएं', 'एक था टाइगर' और 'टाइगर जिंदा है' प्रमुख हैं। 'टाइगर जिंदा है' उनकी अन्तिम हिन्दी फिल्म थी। प्रसिद्ध टीवी शो 'मालगुडी डेज' में स्वामी के पिता मास्टर मंजुनाथ के किरदार के रूप में उनकी प्रभावशाली भूमिका अविस्मरणीय है। पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम पर आधारित ऑडियो बुक 'विंग्स ऑफ फायर' को कनार्ड ने अपनी प्रभावशाली आवाज से और अधिक प्रभावी बना दिया।

गिरीश की लेखनी में जितना दम था, उतने ही बेबाक अन्दाज में अपनी आवाज से राष्ट्रहित के राजनैतिक और सामाजिक आन्दोलनों को धार देते रहे। धर्म की राजनीति और भीड़ की हिंसा के प्रतिरोध में जितने भी आन्दोलन हुए वे उसके प्रखर पक्षकार बने। कभी किसी राजनैतिक दल के पक्ष में खड़े नहीं हुए, अलबत्ता साम्प्रदायिक सौहार्द की तगड़ी पैरोकारी की।

साहित्यिक अवदान

कर्नाड ने अपना नाटक 'ययाति' 1961 में तब लिखा जब वे ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। दूसरा नाटक 26 साल की उम्र में 1964 में 'तुगलक' लिखा, इसमें उन्होंने दिल्ली सम्राट मुहम्मद बिन तुगलक के व्यक्तित्व और शासन की उपलब्धियों व गलतियों पर कलम चलाई। कन्नड़ साहित्य में उनके अन्य प्रसिद्ध नाटकों में हयवदना(1972), नगा मंडल (1988) तथा अग्निमतु माले आदि हैं।

यादगार भूमिकाएं

जिन हिन्दी फिल्मों में कनार्ड ने अपने अभिनय की छाप छोड़ी, उनमें 'मंथन', 'निशांत', 'डोर', 'इकबाल' के नाम प्रमुख हैं। 'निशांत' में उन्होंने एक स्कूल मास्टर की भूमिका निभाई। इसमें कलात्मक फिल्मों में अपने अभिनय के लिए मशहूर शबाना आज़मी, अनंत नाग, स्मिता पाटिल, नसीरूद्दीन शाह और अमरीशपुरी भी थे। इससे पहले 1976 में फिल्म 'मंथन' में कनार्ड ने डॉ. राव का किरदार निभाया। ये फिल्म भारत में श्वेत क्रांति के जनक वर्गीज कुरियन के प्रेरक जीवन पर आधारित थी। 'इकबाल' फिल्म में उन्होंने एक क्रिकेट कोच की भूमिका को जीवंत किया। जिसकी फिल्म समीक्षकों के साथ ही क्रिकेट जगत से जुड़ी हस्तियों और क्रिटिक्स ने भी तारीफ की। सन् 2006 में प्रदर्शित फिल्म 'डोर' में कनार्ड ने 'रणधीर सिंह' का रोल अदा किया। जिसमें उन्हें अपनी भाव-भंगिमाओं को लेकर खूब सराहना मिली। इसमें आशिया टकिया ने उनकी पुत्रवधू का रोल किया था। सलमान खान की फिल्म 'एक था टाइगर' में वे सलमान के बॉस के रूप में बड़े दमदार लगे।

उन्हें 1974 में पद्मश्री और 1992 में पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कन्नड़ साहित्य के सृजनात्मक लेखन के लिए वर्ष 1998 में भारत के सर्वाधिक प्रतिष्ठित 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से नवाजा गया। इसी वर्ष उन्हें 'कालिदास सम्मान' भी मिला। इससे पूर्व 1972 में संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार, 1992 में कन्नड़ साहित्य अकादमी पुरस्कार दिया गया। फिल्मों के विविध क्षेत्रों में उन्हें चार बार राष्ट्रीय पुरस्कार मिले।

भूल-चूक

पिछले अंक(जून-19) के सम्पादकीय में एक स्थान पर 'माधवराव सिंधिया' का नामोल्लेख हुआ। जबकि वहां 'ज्योतिराव सिंधिया' होना चाहिए था। इस भूल-चूक का हमें खेद है। - सम्पादक

AKASH JAIN
Senior Sales Head
9772319000

VARDHANS

VARDHAN™
Publishers & Distributors

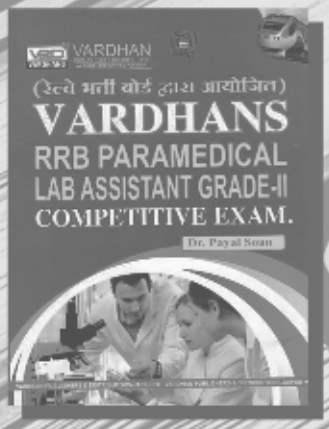

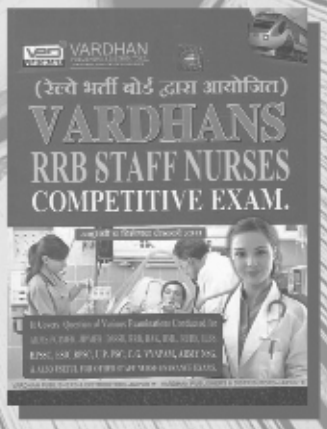

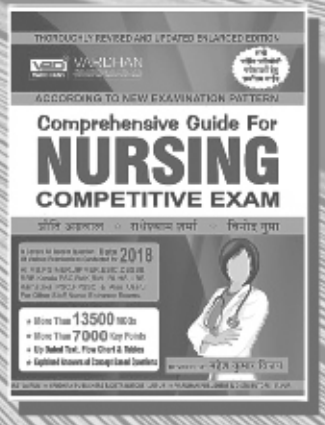

We are Leading Publishers and Distributors of Quality Nursing & Medical English & Hindi medium books

Vardhan Publishers & Distributors
Shop No. 239, Chaura Rasta, Jaipur 302 003
Phone : 0141 - 2575276, Fax : 0141 - 4015276
Email : booksvpd@yahoo.co.in

Vardhan Book House
Shop No. 240, Chaura Rasta, Jaipur 302 003
Phone : 0141 - 2575276, Fax : 0141 - 4015276
Email : booksvpd@yahoo.co.in

website : www.vardhanpublishers.com

भाग्य बड़े सद्गुरु मैं पायो...

- नंद किशोर शर्मा

'जो ब्रह्मानंद स्वरूप हैं, परम सुख को देने वाले हैं, उनके सिवाय दूसरा कोई है ही नहीं। जो मूर्तिवान ज्ञान हैं, द्वन्द्वों से परे हैं, गगन के समान सर्वत्र व्यापक हैं, 'तत्वमसि' आदि महावाक्यों के लक्ष्य हैं। जो एक हैं, नित्य हैं, मल रहित हैं, अचल हैं तथा संपूर्ण प्राणियों की बुद्धि के साक्षीस्वरूप हैं, जो भावों से परे हैं, तीन गुणों से रहित हैं। ऐसे सद्गुरु को मैं नमस्कार करता हूं।'

इन शब्दों और भावनाओं के साथ आइये, गुरुपूर्णिमा (16 जुलाई) के पावन पर्व पर हम सब अपने-अपने इष्टदेव और गुरु को श्रद्धापूर्वक नमन करें।

विद्या दान के द्वारा मानव जीवन को ऊंचा उठाने वाले गुरु का स्थान माता-पिता से बढ़कर माना गया है। गुरु को ब्रह्मा, विष्णु और शिव के समान समझा जाता है। गुरु के प्रति श्रद्धा प्रकट करना और उनकी पूजा करना ही गुरु पूर्णिमा पर्व की विशेषता है।

ध्यान मूलं गुरोर्मूर्तिःपूजा मूल गुरोः पदम्।
मन्त्रमूलं गुरोर्वाक्यं मोक्षमूलं गुरोः कृपा॥

बाबा मुक्तानन्द कहते हैं – पूर्णिमा को चन्द्रमा पवित्रतम अमृत की वर्षा करता है। इसलिए गुरुपूर्णिमा को श्रीगुरु परम आनन्द के अमृत की वर्षा करते हैं।

इस दिन साधक-शिष्य अपने गुरु का वंदन-अभिनंदन कर, आशीर्वाद प्राप्त करता है। गुरु की महिमा का जितना बखान किया जाए वह कम है।

गुरु महिमा का वर्णन करते हुए संत ब्रह्मानन्द कहते हैं –

भाग्य बड़े सद्गुरु मैं पायो मन की दुविधा दूर नसाई।
ब्रह्मानन्द चरण बलिहारी गुरु महिमा हरि से अधिकाई॥

श्रीगुरु हमारे चरित्र का निर्माण करते हैं, गुरु के सान्निध्य मात्र से व उनकी शरण में जाने से ही व्यक्ति के पाप धुल जाते हैं और उसे नए जीवन में जीने का आभास होता है। गुरु के संपर्क में आने से जीवन परिवर्तन हो जाता है।

संत वाल्मिकी जो पूर्व में डाकू थे, लोगों के घरों में चोरी करते थे, डाका डालते थे। एक बार वह महर्षि नारद मुनि के सम्पर्क में आए तो नारद मुनि ने वाल्मिकी से पूछा जो तुम ये कार्य कर रहे हो क्या इससे तुम्हारे घर वाले संतुष्ट हैं तो उन्होंने कहा – हां क्यों नहीं। महर्षि नारद ने कहा कि एक बार उन्हें पूछ तो लो कि क्या चोरी के काम में उनको भी बराबर भागीदारी है। जब वाल्मिकी ने अपने परिवारजनों से बारी-बारी वैसा ही प्रश्न किया तो उन्होंने मना कर दिया। इससे क्षुब्ध होकर वाल्मिकी महर्षि नारद के पास गए तथा मुक्ति का मार्ग पूछा तो महर्षि ने कहा राम-नाम का जाप करो।

भारतीय संस्कृति का एक सूत्र वाक्य है, 'तमसो मा ज्योतिर्गमय'। अंधेरे से उजाले की ओर ले जाने की इस प्रक्रिया में गुरु का बहुत बड़ा योगदान है। संसार में भटकने वाले मनुष्यों को तारने के लिए गुरु के समान बंधन नाशक तीर्थ कोई दूसरा नहीं। गुरु ही व्यक्ति के जीवन को सही राह पर बढ़ाता है। गुरु-कृपा से असंभव कार्य भी संभव हो जाता है।

वाल्मिकी को राम-नाम के जाप में कठिनाई हो रही थी, तब महर्षि नारद मुनि से मरा-मरा नाम का जप करने को कहा। तब वाल्मिकी ने उल्टा नाम जप किया जिससे वह जप राम नाम में बदल गया और वे आगे चलकर महान ऋषि-मनीषी बन गए।

संत ज्ञानेश्वर महाराज कहते हैं – जिस प्रकार रात में चन्द्रमा की शीतल अमृत किरणों से पृथ्वी प्रकाशनमान हो जाती है उसी प्रकार गुरु के ज्ञानरूपी प्रकाश से द्वैतभाव का अंधकार दूर हो जाता है। जिस प्रकार चन्द्र पृथ्वी को उसकी धुरी पर स्थिर रखता है ठीक उसी प्रकार गुरु हमें धर्म, विवेक और प्रेम में सुप्रतिष्ठित करता है। गुरु पूर्णिमा पर यह जानना आवश्यक हो जाता है कि शिष्य को वैसा ही होना चाहिए। एक शिष्य में कौन-कौन से गुण होने चाहिए इसका उत्तर देते हुए भगवद्गीता के 13वें अध्याय में श्रीकृष्ण ने कहा कि –

अमानित्वमदम्भित्वमहिंसा क्षान्तिरार्जवम्।
आचार्योपासनं शौचं स्थैर्यमात्मविनिग्रह॥

अर्थात् विनम्रता, दम्भहीनता, अहिंसा, क्षमाशीलता, मन वाणी की सरलता, गुरुसेवा, शुचिता, स्थिरता, आत्म संचय आदि गुण एक जिज्ञासु शिष्य बनाते हैं।

शिष्य की परिभाष को और स्पष्ट करते हुए बाबा मुक्तानन्द ने कहा कि काया-वाचा-मन से श्रीगुरु सेवारत हो जाना, गुरु आज्ञा का पूरा-पूरा पालन करना, गुरु स्मृति से विचलित न होना, गुरु सेवा के सिवा अन्य कुछ भी श्रीगुरु से न मांगना अर्थात् कामनाहित प्रेम करना ही गुरु भक्ति है।

अनथक यात्री आडवाणी

'मौन' के बाद मैदान से बाहर

- रामनारायण श्रीवास्तव

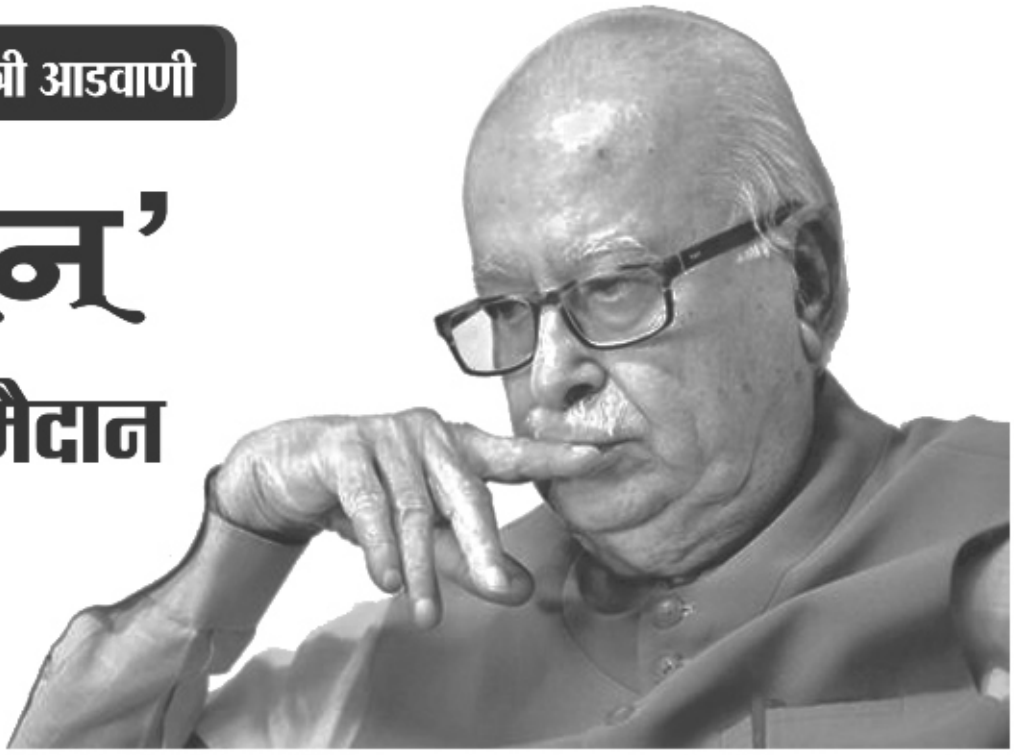

पूर्व उपप्रधानमंत्री व भाजपा के अनथक यात्री लालकृष्ण आडवाणी 2019 के चुनाव में न थे और न अब कभी वे चुनावी मैदान में नजर आएंगे। इसके साथ ही भाजपा में अटल-आडवाणी युग भी समाप्त हो गया। अटल बिहारी वाजपेयी का बीते साल निधन हो गया और 2019 के लोकसभा चुनाव में आडवाणी को टिकट नहीं मिलने से वह चुनावी मैदान से बाहर हो गए हैं।

लालकृष्ण आडवाणी 68 साल के राजनीतिक सफर में संघ के प्रचारक से भाजपा के शिखर तक पहुंचे। 1984 में दो सीटों पर पहुंची भाजपा को सत्ता के शिखर तक पहुंचाना आडवाणी का सबसे बड़ा योगदान है। जो भाजपा को ही नहीं दूसरे दलों को भी उनकी अपनी विचारधारा के लिए प्रेरित करता है।

रथयात्रा प्रयोग सफल रहा : भाजपा की विचारधारा पर देश की राजनीति को लाने में रथ यात्रा आडवाणी का सबसे बड़ा व सफल राजनीतिक प्रयोग था। इसके बाद भाजपा को राजनीतिक ऊंचाइयां मिलीं और उसने केन्द्रीय सत्ता का सपना देखा। उस समय अटल बिहारी वाजपेयी भाजपा के चेहरे थे, पर आधार आडवाणी थे, जिन्होंने संगठन को इतना मजबूत किया कि शताब्दी पुरानी कांग्रेस की उसने जड़ें हिला दी। वाजपेयी सरकार में देश का उपप्रधानमंत्री पद आडवाणी का शिखर था। आडवाणी ने छह रथयात्राएं निकाली, जिनमें कुछ सामूहिक नेतृत्व में थीं।

संघ से बनी दूरी : साल 2009 के लोकसभा चुनाव में वह प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बने, लेकिन उसमें हार होने के बाद वे धीरे-धीरे हाशिए पर जाने लगे। पाक में जिन्ना की मजार पर जाकर जिन्ना के बारे में उनके बयान के बाद संघ ने पहली बार उनसे दूरी बनाई और उन्हें पार्टी का अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा।

भाजपा के मार्गदर्शक बने : संघ का नेतृत्व मोहन भागवत के हाथ में आने के बाद भाजपा में नए नेतृत्व की कवायद शुरू हुई। महाराष्ट्र से नितिन गडकरी को केन्द्रीय राजनीति में लाकर उन्हें भाजपा की कमान सौंपी गई और अगले आम चुनाव में मोदी को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाया गया। 2014 में मोदी सरकार बनने के बाद आडवाणी मार्गदर्शक मंडल में चले गए।

अनुशासन में बंध मौन रहे

लोकसभा सदस्य के नाते वह संसद में लगभग 90 फीसदी उपस्थिति दर्ज कराते रहे। वह पार्टी के अनुशासन से बंधे रहे और हाशिए पर जाने के बावजूद मौन ही रहे। एक अनुमान के मुताबिक वह पूरे पांच साल में संसद में 365 शब्द ही बोले। हालांकि पार्टी मंच पर उनका सम्मान बना रहा।

राजस्थान के बिड़ला 'स्पीकर'

राजस्थान के कोटा-बूंदी लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से दूसरी बार निर्वाचित ओम बिड़ला को लोकसभा का 'निर्विरोध' स्पीकर चुन लिया गया है। जो राजस्थान के लिए अत्यन्त गौरव की बात है। इससे पूर्व राजस्थान(सीकर)से 1984 में निर्वाचित डॉ. बलराम जाखड़ इस पद पर

निर्वाचित हुए थे, किन्तु वे राजस्थान मूल के न होकर हरियाणा से थे। बिड़ला ने 18 जून को प्रधानमंत्री व अन्य वरिष्ठ मंत्रियों और राजग के सहयोगी दलों के सांसदों की मौजूदगी में नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस ने बिड़ला के नाम की घोषणा होने के बाद ही यह संकेत दे दिया था कि वह उनके नाम का विरोध नहीं करेगी। इसके अलावा बीजू जनता दल, अन्नाद्रमुक, अपना दल और वाईएसआर कांग्रेस, टीएमसी समेत दस दलों ने बिड़ला के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। उन्हें 19 जून को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। मोदी-शाह की जोड़ी ने इस पद के लिए बिड़ला के नाम को सहमति देकर एक और चौंकाने वाला फैसला लिया, चूंकि इस पद के लिए कई दिग्गजों के नाम सुर्खियों में थे। 4 दिसम्बर 1962 को कोटा में जन्मे और स्नातकोत्तर (वाणिज्य) तक शिक्षित बिड़ला दूसरी बार लोकसभा में निर्वाचित होने से पूर्व 2003 में पहली बार विधायक बने। 2004 में उन्हें संसदीय सचिव बनाया गया। 2008 और 2013 में तीसरी बार विधायक बने। उन्होंने भाजपा युवा मोर्चा की मार्फत 1977 में राजनीति में प्रवेश किया।

युवाओं को आगे बढ़ाया

आडवाणी ने पार्टी व संगठन को नए नेतृत्व के साथ गढ़ने में अहम भूमिका निभाई है। उनके कार्यकाल में प्रमोद महाजन, सुषमा स्वराज, अरुण जेटली, नरेन्द्र मोदी, कल्याण सिंह, वेंकैया नायडू, राजनाथ सिंह जैसे नेताओं को आगे बढ़ाया गया। आडवाणी हमेशा कहते रहे हैं कि पार्टी में युवा नेताओं की दूसरी पारी पंक्ति होनी चाहिए।

मोदी के साथ खड़े रहे

मोदी को संघ से भाजपा में लाकर राष्ट्रीय फलक तक लाने में आडवाणी की भूमिका अहम रही। मोदी आडवाणी की पहली रथयात्रा में संयोजक बने। बाद में उन्हें राष्ट्रीय सचिव व गुजरात का सीएम बनाने में आडवाणी की भूमिका रही। गुजरात दंगों के बाद जब मोदी सीएम रहते संकट में थे तो आडवाणी उनके साथ खड़े थे।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

हितेश शोभावत
94142 45485
89494 68979

शोभावत कंन्सट्रक्शन

हितेश शोभावत

2–ख–10 हिरणमगरी से. 5, उदयपुर

मोटापा बीमारी नहीं महामारी भी

–रेणु शर्मा

भारत में लगातार लोगों में वजन बढ़ने की समस्या सामने आ रही है। यही कारण है कि मोटापे को महामारी तक कहा जा रहा है। मोटापे की समस्या से पुरुषों के मुकाबले महिलाएं अधिक ग्रस्त हैं। अक्सर जो महिलाएं घरों में रहती हैं वे यह मान कर चलती हैं कि घर के काम करने के दौरान उनका व्यायाम हो जाता है। इस वजह से उनका वजन नहीं बढ़ेगा, लेकिन सच्चाई यह है कि जो महिलाएं घरों में रहती हैं उनमें वजन बढ़ने की समस्या अधिक देखी जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक, शहरी क्षेत्रों में बावन फीसद पुरुष और उनसठ फीसद महिलाओं का वजन अधिक है। तो वहीं, राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) के मुताबिक, दक्षिण भारत में विवाहित महिलाओं में मोटापा अधिक बढ़ रहा है। मोटापा एक गंभीर बीमारी बेशक न हो, लेकिन कई बीमारियों का जन्मदाता जरूर है।

मोटापे के दो प्रकार - पीयर शेप और एप्पल शेप। हमारे यहां पीयर शेप अधिक पाया जाता है यानी नाशपाती के प्रकार का व्यक्ति। नाशपाती की तरह उसके केवल पेट पर चर्बी होती है। वहीं पश्चिमी देशों में एप्पल शेप यानी सेब की तरह गोल-मटोल दिखने वाला मोटापा अधिक होता है।

पेट लटकना ज़्यादा खतरनाक है। इससे मधुमेह, हृदयाघात और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

पेट को न बनाएं बीमारियों का घर

रोगों का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्गीकरण करने वाले संस्थान आईसीडी (इंटरनेशनल क्लासिफिकेशन ऑफ डिसीसेज़) ने 5 साल पहले ही मोटापे को एक बीमारी घोषित किया। यह स्वयं न सिर्फ एक बीमारी है बल्कि अन्य बीमारियों का आश्रय प्रदाता भी है।

मोटापे के चलते होने वाले प्रमुख रोग हैं - मधुमेह, हाइपोथायरॉइड, रक्तचाप, हृदय और धमनियों के रोग तथा विभिन्न प्रकार के कैंसर। महिलाओं में मोटापा बढ़ने के कई कारण हैं।

व्यायाम न करना

महिलाएं चाहे घरेलू हों या दफ्तर में काम करने वालीं, दोनों में से किसी को भी व्यायाम करने का मौका नहीं मिलता। घर में काम करने वाली महिला घरेलू कामों से फुरसत नहीं पाती तो दफ्तर में काम करने वाली महिला घर और दफ्तर दोनों के बीच सैंडविच बन जाती है। यही वजह है कि महिलाओं में वजन तेजी से बढ़ता है। इसका खामियाजा भी उन्हें उठाना पड़ता है।

विटामिन-डी की कमी

हाल ही में एक शोध में सामने आया कि महिलाओं में गलत खानपान की वजह से नहीं बल्कि विटामिन डी की कमी की वजह से भी मोटापा बढ़ रहा है। शोध के मुताबिक 68.6 फीसद महिलाओं में विटामिन डी की कमी पाई गई, 26 फीसद महिलाओं में विटामिन डी जरूरत से ज्यादा पाया गया। सिर्फ 5.5 महिलाओं में विटामिन डी की पर्याप्त मात्रा थी। अक्सर महिलाएं घरों में रहती हैं या कार्यालयों में, इस वजह से उन्हें पर्याप्त विटामिन डी नहीं मिल पाता। यही वजह बनती है महिलाओं में मोटापा बढ़ने की।

पर्याप्त नींद न लेना

घर की जिम्मेदारियों की वजह से महिलाएं पुरुषों के मुकाबले अधिक तनाव में रहती हैं। इस वजह से वे पर्याप्त नींद नहीं ले पाती। इस वजह से भी मोटापा बढ़ता है। महिलाओं में जब मोटापा बढ़ता है, तो सबसे पहले पेट की चर्बी बढ़ती है। इसके पीछे कारण है कि हम जो भी खाते हैं वह सबसे पहले हमारी तोंद में चर्बी के रूप में जमा होने लगता है। व्यायाम न करने से तोंद और बढ़ने लगती है। इसके अलावा लम्बे समय तक जगने पर रात में भी महिलाएं खाना खाती रहती हैं। इस वजह से भी मोटापा बढ़ता है।

मोटापा दूर करना कोई बहुत कठिन कार्य तो बिल्कुल भी नहीं है। सबसे जरूरी है उसे दूर करने के लिए कदम उठाना। बस, नियमित रूप से 40 से 45 मिनट भी यदि हम व्यायाम करें तो बहुत फायदा होगा।

व्यायाम से अर्थ जिमिंग नहीं है, स्कूल में सीखी गई पीटी भी बहुत फायदेमंद है। सुबह छत या घर से बाहर गार्डन में करें तो उसका दोगुना फायदा होगा, धूप से विटामिन डी भी मिल जाएगा।

दूसरा, खान-पान में बदलाव। घर में जो मौजूद होगा वही बच्चे खाते हैं। सेव, नमकीन या जंक फूड रखेंगे तो बच्चे भी वही खाएंगे। सलाद, सूप रखेंगे तो बच्चे उनका सेवन करेंगे। चुनाव आपको करना है। दुग्ध पदार्थ तो और भी आसानी से उपलब्ध हैं।

क्या न खाएं

वजन घटाने के लिए जरूरी है कि मोटापा किन वजहों से बढ़ रहा है, इसकी जानकारी करें। मोटापे से बचने के लिए जरूरी है कि अधिक मीठे पदार्थ न खाएं। सुबह खाली पेट गुनगुने पानी शहद या अदरक का पेस्ट मिलाकर पीएं। इससे वजन कम होता है। हरी चाय, अंकुरित अनाज और गर्म दूध का सेवन करें।

पेट की चर्बी घटाएं

मोटापा बढ़ता है, तो उसका सीधा असर पेट की चर्बी पर दिखाई देता है। इसे कम करने के लिए व्यायाम करें। लम्बे समय तक बैठे रहने या शारीरिक गतिविधियों के कम होने से पेट की चर्बी बढ़ने लगती है। इसलिए जरूरी है कि व्यायाम किया जाए।

उचित नींद

उचित नींद से कई समस्याएं हल हो जाती हैं। मोटापा भी पर्याप्त नींद लेने से कम होता है। मोटापा बढ़ने का एक कारण तनाव भी है और जब पर्याप्त नींद नहीं होती है, तो तनाव बढ़ता है और फिर मोटापा। इसलिए सात से आठ घंटे की नींद जरूर लेनी चाहिए।

याददाश्त को प्रभावित करता है मोटापा

मोटापे के कारण हमारे खून और दिमाग के बीच का अवरोध टूट सकता है जिससे सीखने की क्षमता और याददाश्त प्रभावित हो सकती है।

वैज्ञानिकों के अनुसार दिमाग और खून के बीच इंडोथेलियल कोशिकाओं में मौजूद अडोरा2 ए (जो अवरोध का काम करती है) के टूटने से खून दिमाग में रिसता है और इससे हमारे दिमाग की कोशिकाओं की कार्यक्षमता प्रभावित होती है।

अमेरिका की अगस्ता यूनिवर्सिटी की टीम ने अपने शोध में दर्शाया है कि डाइट की वजह से होने वाले मोटापे के मॉडल में जब अडोरा2 ए को ब्लॉक किया गया तब यह महत्वपूर्ण अवरोधक कार्यप्रणाली नियंत्रण में रही। न्यूरोसाइंटिस्ट एलेक्सिस एम स्ट्रैनेहेन ने कहा, हमें पता है कि मोटापे और इंसूलिन प्रतिरोध के कारण दिमाग और खून के बीच का अवरोध टूट जाता है, लेकिन यह क्यों होता है इसका पता नहीं था।

दिमाग में मौजूद एडोनोसिन हमें सोने में और हमारे रक्तचाप को नियंत्रित रखने में मदद करती है। एडोनोसिन अडोरा1 ए और अडोरा2 ए रिसेप्टर को भी सक्रिय कर दिमागी कार्यप्रणाली और खून के बहाव के बीच स्वस्थ रिश्ता बनाए रखने में मदद करते हैं।

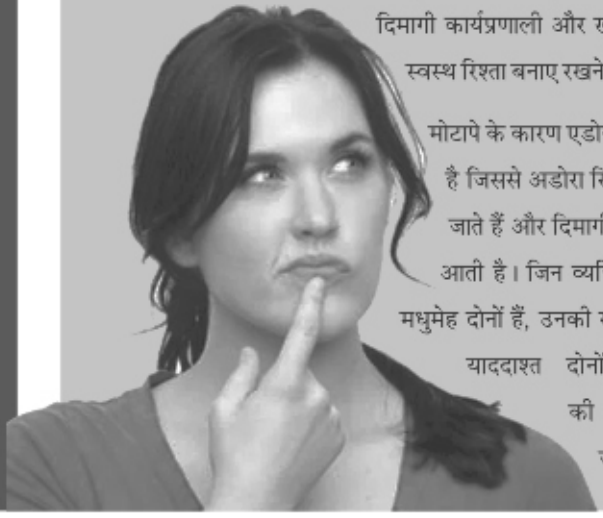

मोटापे के कारण एडोनोसिन की मात्रा बढ़ती है जिससे अडोरा रिसेप्टर अति सक्रिय हो जाते हैं और दिमागी कार्यप्रणाली में बाधा आती है। जिन व्यक्तियों को मोटापा और मधुमेह दोनों हैं, उनकी सीखने की क्षमता और याददाश्त दोनों ही अन्य लोगों की तुलना में कम होती जाती है।

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

नितिन देवड़ा (जैन)
9799003603

मानव होजरी एण्ड साड़ीज

[redacted] (चावण्ड वाला)

होलसेल एवं रिटेल विक्रेता

फैन्सी साड़ियाँ, वैवाहिक लहंगा चुन्नी,
राजपूती पौशाकें, गर्ल्स वियर रेडिमेड,
स्कूल एवं कॉलेज बेग, रैनकोट, ईनर
(जेन्ट्स एण्ड लेडीज)
LUX, CRITO, ESSA,
UNDER GARMENTS
All Hosiery Items

21, भोपालवाड़ी, उदयपुर-313001 (राज.)

धातु शिल्प की पारंपरिक मूर्तियां

- पन्नालाल मेघवाल

वस्तुतः धातु शिल्प की पारंपरिक मूर्ति निर्माण का कार्य मध्यप्रदेश एवं उत्तरप्रदेश से राजस्थान में आया। राजस्थान में जयपुर, जोधपुर, बीकानेर एवं उदयपुर में धातु शिल्प की पारंपरिक मूर्तियों का निर्माण किया जाता है। उदयपुर में कसारा समुदाय के लोग धातु शिल्प की मूर्तियां बनाने में सिद्धहस्त हैं।

उदयपुर में विष्णु चंद्र कसारा (55) धातु शिल्प की पारंपरिक मूर्ति निर्माण के सिद्धहस्त शिल्पकार हैं। उनका परिवार पिछली 15 पीढ़ियों से धातु शिल्प की मूर्तियां बनाने का कार्य कर रहा है। उनके पिता भंवरलाल कसारा एवं दादा घीसूलाल कसारा भी धातु शिल्प की मूर्तियां बनाने में सिद्धहस्त थे। विष्णु चंद्र कसारा अपने पुत्र गौरव कसारा को भी धातु शिल्प में पारंगत बना रहे हैं।

धातु की कलात्मक वस्तु बनाने से पूर्व वांछित वस्तु की बारीक चिकनी मिट्टी से आकृति तैयार की जाती है। जिसे सुखाकर उस पर मेण चढ़ाया जाता है। मेण से ही वांछित वस्तु का श्रृंगार किया जाता है। इसमें मूर्ति के हाथ, मुंह, आंखें आदि बनाई जाती है। आवश्यकता पड़ने पर शिल्पकार इसमें लकड़ी के बने औजारों की सहायता भी लेता है।

इस प्रक्रिया के बाद इस आकृति पर कपड़छान बारीक मिट्टी एवं बालू मिश्रित मिट्टी का लेप चढ़ाया जाता है। इस आकृति के नीचे एक छेद रखा जाता है। जिस पर मेण लगा कर आकृति को पुनः धूप में सुखाया जाता है। फिर उस आकृति के मेण को आंच से पिघलाकर बाहर निकाल दिया जाता है और दोनों मिट्टी के बीच के खोखले स्थान में चार सौ डिग्री सेल्सियस तापक्रम पर पीतल, तांबा या लोहा पिघलाकर डाल दिया जाता है। इस प्रकार धातु शिल्प की विभिन्न कलाओं पर आधारित वस्तुएं तैयार की जाती है।

शिल्पकार विष्णु चंद्र कसारा धातु शिल्प की मूर्तियां एवं अन्य कलात्मक वस्तुएं बनाने के सिद्धहस्त शिल्पकार हैं। उन्होंने अब तक पीतल, तांबा लोहे की अनेक कलात्मक वस्तुओं का निर्माण किया है। वे धातु शिल्प से बने गणेशजी, शिवजी, पार्वतीजी, लक्ष्मीजी, सरस्वतीजी, नटराज, कृष्णअवतार, विष्णु भगवान का सिंहासन, रथ, नागकन्या, मंदिर की घंटियां, दरवाजे पर लगाने वाले शेर एवं विभिन्न प्रकार के मुखौटे बनाने में माहिर हैं। विष्णु चंद्र कसारा पारंपरिक मूर्तियों के अलावा शेर, हाथी, घोड़े, दीपक, आरतियां, फ्रेम, पिंजरा, ढाल, फरसे आदि भी बखूबी बना लेते हैं। उनका कहना है कि कई बार किसी आकृति के निर्माण के लिए अलग-अलग पार्ट्स तैयार किए जाते हैं। फिर वेल्डिंग कर आपस में जोड़े जाते हैं।

उदयपुर के ही रामजी तंबोली एवं अयूब भाई भी धातु शिल्प के सिद्धहस्त कलाकार हैं। देशी पर्यटक इन धातु शिल्प मूर्तियों को देवालयों में प्रतिष्ठापित करने और अन्य कलात्मक मूर्तियों को अपने घरों को सुसज्जित करने के लिए ले जाते हैं। उदयपुर आने वाले विदेशी पर्यटक भी धातु शिल्प की मूर्तियां बड़े पैमाने पर खरीद कर गृह साज-सज्जा के लिए अपने साथ ले जाते हैं।

(लेखक सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग राजस्थान के पूर्व संयुक्त निदेशक हैं।)

सनातन हिन्दू धर्म में पुनर्जन्म का सिद्धांत है। प्रत्येक जीवात्मा अपने पूर्व कर्मानुसार योनि में जन्म लेती है। उसके जन्म के समय आकाश में ग्रह-नक्षत्रों की जो स्थिति होती है, उसी मानचित्र के अनुसार जीव का नया जीवन निर्धारित होता है। मानव योनि में जन्म लेने पर ज्योतिष शास्त्र उस आकाशीय मानचित्र को जन्मांक या कुण्डली का नाम देता है। इसी के आधार पर ***ज्योतिर्विद पं. दयानंद शास्त्री*** *यहां बता रहे हैं - 'सन्तान की उत्पत्ति में बाधक योग के बारे में।' प्रस्तुत है जानकारी की पहली किस्त।*

सन्तानोत्पत्ति में बाधक योग

शास्त्र कहता है 'अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म शुभाशुभम' अर्थात मनुष्य को अपने किए शुभ-अशुभ कर्मों के फल को अवश्य ही भोगना पड़ता है। शुभ-अशुभ कर्म मनुष्य का जन्म जन्मान्तर तक पीछा नहीं छोड़ते।

यही तथ्य बृहद् पाराशर होरा शास्त्र के पूर्वशापफलाध्याय में स्पष्ट किया गया है। इस अध्याय में मैत्रेय जी महर्षि पाराशर से पुत्रहीनता का कारण और उसकी निवृत्ति का उपाय जानना चाहते हैं। मैत्रेय जी कहते हैं- 'पुत्रहीन व्यक्ति को सद्गति नहीं मिलती, ऐसा शास्त्रों में कहा गया है। अत: कृपया बताएं कि पुत्रहीनता किस पाप के कारण होती है। जन्म कुंडली से उस पूर्वकृत पापादि का ज्ञान कैसे होगा तथा बाधा जानकर उसकी शांति कैसे होगी ?

पाराशर मुनि बोले - 'हे मैत्रेय ! तुमने बहुत ही उत्तम प्रश्न पूछा है। ऐसा ही प्रश्न पार्वती जी द्वारा भगवान शंकर से करने पर उन्होंने जो कहा था, वही मैं यथावत् तुम्हें कहता हूं। पार्वती जी ने पूछा- 'प्रभो ! किस पाप या किस योग में संतान हानि होती है ? संतान रक्षा के लिए कृपया उपाय भी कहें।' भगवान शंकर बोले- 'देवि ! मैं तुम्हें संतान हानि के योग-दुर्योग सहित उसके फल से बचने का उपाय कहता हूं। सुनो -

'पंचम भाव में मिथुन या कन्या राशि हो और बुध मंगल के नवमांश में मंगल के साथ ही बैठा हो और राहू तथा गुलिक लगन में स्थित हो। आदि-आदि कई योगों का वर्णन ज्योतिष ग्रंथों में मिलता है जो संतति सुख हानि करता है तथा कुंडली मिलान करते समय सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए इन्हें विचार में लाना अति आवश्यक होता है।'

पति या पत्नी में से किसी एक की कुंडली में संतानहीनता योग हो तो दाम्पत्य जीवन नीरस हो जाता है। यह भी देखा गया है कि संतानहीनता के योग वाली महिला की शादी संतति योग वाले पुरुष के साथ की जाए अथवा संतानहीन योग वाले पुरुष की शादी संतति योग वाली महिला के साथ कर दी जाए तो भी संतानहीनता का कुयोग मिट नहीं सकता और जीवन भर संतान का अभाव सालता रहता है। ऐसी स्थिति में ईश कृपा या संत कृपा ही इस कुयोग को काट सकती है।

विवाह के पश्चात हर स्त्री-पुरुष की यह कामना होती है कि उन्हें एक योग्य संतान की प्राप्ति हो जिससे उनका वंश चले और वह उम्र के आखरी पड़ाव में सहारा बने। किन्तु कभी-कभी ऐसी परिस्थितियां बन जाती हैं कि कोई शारीरिक रूग्णता न होने के बाद भी सन्तान की उत्पत्ति में बाधा होती है।जिनमे ग्रह मुख्य भूमिका निभाते हैं। किसी भी संतानहीन जातक की जन्म कुंडली में निम्न कुछ ग्रह योग संतान की उत्पत्ति में बाधक हो सकते हैं।

यदि किसी की कुंडली में ऐसे योग मौजूद हों तो उन्हें अवश्य ही सावधान होकर उचित उपाय द्वारा उन प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बनाना चाहिए जिनकी वजह से बाधक योग उत्पन्न हुए हैं।

एक कुशल ज्योतिषी व्यक्ति के जन्मांक से उसके भूत, भविष्य, प्रकृति और चरित्र को जान लेता है। जन्मांक व्यक्ति के सम्पूर्ण जीवन का दर्पण होता है। कुंडली के बाहर भाव जीवन के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से संबंधित रहते हैं लेकिन यहां केवल पंचम भाव से संबंधित संतान क्षेत्र को प्रस्तुत किया जा रहा है।

बुद्धि प्रबंधात्मजमंत्र विद्या विनेयगर्भ स्थितिनीति संस्थाः ।
सुताभिधाने भवने नराणां होरागमज्ञैः परिचिन्तनीय् ॥

जातकाभरणम्

बुद्धि, प्रबंध, संतान, मंत्र (गुप्त विचार), गर्भ की स्थिति, नीति आदि शुभाशुभ विचार पंचम भाव से करना चाहिए। पंचम भाव की राशि एवं पंचमेश, पंचमेश किस राशि एवं स्थान में बैठा है तथा उसके साथ कौन-कौन से ग्रह स्थित हैं। पंचम भाव पर किन-किन ग्रहों की दृष्टि है, पुत्र कारक गुरु, नवम भाव तथा नवमेश की स्थिति, नवम भाव पंचम से पंचम होता है। अतएव यह पोते का स्थान भी कहलाता है। पंचम भाव के स्वामी पर किन-किन भावेशों की दृष्टि है, पंचमेश कारक है या अकारक, सौम्य ग्रह है या दृष्ट ग्रह तथा पंचम भाव से संबंधित दशा, अंतर्दशा और प्रत्यंतदशा आदि।

संतानधिपतेः पञ्चषष्ठरिः फस्थिवेखले ।
पुत्रोभावो भवेत्तस्य यदि जातो न जीवति ॥

पंचमेश से 5/6/10 में यदि केवल पापग्रह हों तो उस जातक को संतान प्राप्ति नहीं होती, हो भी तो जीवित नहीं रहती।

मंदस्य वर्गे सुतभाव संस्थे निशाकरस्थेऽपि च वीक्षितेऽमिन् ।
दिवाकरेणोशनसा नरस्क पुनर्भवासंभव सूनुलब्धे ॥

पंचम भाव में शनि के वर्ग हों तथा उसमें चंद्रमा बैठा हो और रवि अथवा शुक्र से दृष्ट हो तो उसको पौनर्भव (विधवा स्त्री से विवाह बाद उत्पन्न) पुत्र होता है।

नवांशकाः पंचम भाव संस्था यावन्मितैः पापखगैःदृदृष्टाः ।
नश्यंति गर्भः खलु तत्प्रमाणाश्चे दीक्षितं नो शुभखेचरेंद्रेः ॥

पंचम भाव नवमांश पर जितने पापग्रहों की दृष्टि हो उतने ही गर्भ नष्ट होते हैं किन्तु यदि उस पर शुभ ग्रह की दृष्टि न हो।

भूनंदनों नंदनभावयातो जातं च जातं तनयं निहन्ति ।
दृष्टे यदा चित्र शिखण्डिजेन भृगोः सुतेन प्रथमोपन्नम् ॥

पंचम भाव में केवल मंगल का योग हो तो संतान बार-बार होकर मर जाती है। यदि गुरु या शुक्र की दृष्टि हो तो केवल एक संतति नष्ट होती है और अन्य संतति जीवित रहती है।

संतान हानि

गुरु, लग्नेश, सप्तमेश, पंचमेश ये सारे ही बलहीन हों तो संतान नहीं होती है। सूर्य, मंगल, राहु और शनि यदि बलवान होकर पुत्र भाव में अर्थात् पंचम भाव में गए हों तो संतान हानि करते हैं। यदि ये ग्रह निर्बल होकर पंचमस्थ हों तो संतानदायी होते हैं।

शाप का ज्ञानः निम्नलिखित योगों में सर्पराज के शाप अर्थात पूर्व जन्म या इस जन्म में जाने-अनजाने की गई सर्प हत्या जनित दोष से संतान हानि होती है-

- पंचम में स्थित राहु को मंगल पूर्ण दृष्टि से देखे अथवा राहु मेष या वृश्चिक में हो।
- पंचमेश राहु के साथ कहीं भी हो तथा पंचम में शनि हो और शनि को या मंगल को चंद्रमा देखे या उससे योग करे।
- संतानकारक गुरु राहु के साथ हो और पंचमेश निर्बल हो, लग्नेश और मंगल साथ-साथ हों।
- गुरु और मंगल एक साथ हों, लग्न में राहु स्थित हो, पंचमेश छठे, आठवें या 12 वें भाव में हो।
- पंचम में तीसरी या छठी राशि हो, मंगल अपने ही नवांश में हो, लग्न में राहु और गुलिक हो।
- पंचम में पहली या आठवीं राशि हो, पंचमेश मंगल राहु के साथ हो अथवा पंचमेश मंगल से बुध का दृष्टि या योग संबंध हो।
- पंचम में सूर्य, मंगल, शनि या राहु, बुध, गुरु एकत्र हों और लग्नेश और पंचमेश निर्बल हों।
- लग्नेश और राहु एक साथ हों, पंचमेश और मंगल भी एक साथ हों और गुरु और राहु एक साथ हों।

सर्पशाप शांति विधानः सर्पशाप की निवृत्ति के लिए नागपूजा अपनी कुल परंपरानुसार करें। नागराज की मूर्ति की प्रतिष्ठा करें अथवा नागराज की सोने की मूर्ति बनवाकर प्रतिदिन पूजा करें। तत्पश्चात् गोदान, भूमिदान, तिलदान, स्वर्णदान अपनी सामर्थ्य के अनुसार करें। तब नागराज की प्रसन्नता से वंश चल पड़ता है।

क्रमशः

बच्चों को डांटे नहीं, दोस्त की तरह समझाएं

-दिलीप सिंह

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि उनके बच्चों की अच्छी परवरिश हो, अच्छी परवरिश का मतलब सिर्फ उनकी खाने-पीने, पहनने, ओढ़ने और रोजमर्रा की जरूरतों को ही पूरा करना नहीं है, बल्कि बच्चों में अच्छी आदतें, अनुशासन और नियमों के पालन की आदत का विकास भी पेरेंट्स की एक बड़ी जिम्मेदारी है।

बच्चा जब बड़ा होने लगता है तभी से उसमें नियमपूर्वक रहने की आदत डालनी चाहिए। यह नहीं सोचना चाहिए कि अभी छोटा है बाद में सीख जाएगा। कुछ पेरेंट्स बच्चों को छोटी-छोटी बातों पर उन्हें डांटने लगते हैं, कुछ माता-पिता पिटाई भी करते हैं, लेकिन यह गलत है इस तरह के व्यवहार से बच्चे पर बुरा असर पड़ता है, जब भी बच्चा गलती करे तो उसे गलती का एहसास करवाएं और दोबारा ऐसा न करने की ताकीद करें। कुछ पेरेंट्स मानते हैं कि बच्चों से प्यार का मतलब उनकी हर मांग को पूरा करना होता है। जो पेरेंट्स बच्चों की हर मांग को पूरा करते हैं, उनके बच्चे जिद्दी हो जाते हैं। जिद करने पर बच्चों को वही चीज दिलाएं जो उनके लिए जरूरी है। जब बच्चे ऐसी जिद करते हैं जिन्हें पूरा नहीं किया जा सकता तो उन्हें प्यार से समझाना चाहिए। कई बार ऐसा होता है कि पेरेंट्स अपने बच्चों की बात नहीं सुनते उन्हें डांटकर चुप कर देते हैं। ऐसा करने से बच्चों पर गलत असर पड़ता है। बच्चे की बात पर ध्यान दें, उस पर चिल्लाने-झल्लाने की बजाय शांति से उसकी बात सुनें।

बच्चे की जो पढ़ने और जो बनने में रूचि हो उसे वही पढ़ने और बनने दें। जब पेरेंट्स बच्चों पर जबरदस्ती अपनी मर्जी थोपते हैं तो उन पर उसका बुरा असर होता है। आज के वक्त में बच्चे अपनी मर्जी के मुताबिक काम करना पसंद करते हैं। पेरेंट्स को अपने बच्चों के साथ दोस्त की तरह रहना चाहिए। उनसे मित्र जैसा व्यवहार करने से बच्चे अपेन पेरेंट्स से कभी कुछ नहीं छुपाते।

सभी पेरेंट्स चाहते हैं कि वे अपने बच्चों को बेहतरीन परवरिश दें। वे कोशिश भी करते हैं, फिर भी ज्यादातर पेरेंट्स बच्चों के बिहेवियर और परफॉर्मेंस से खुश नहीं होते। उन्हें अक्सर शिकायत करते सुना जा सकता है कि बच्चे ने ऐसा कर दिया, वैसा कर दिया। इसके लिए काफी हद तक पेरेंट्स ही जिम्मेदार होते हैं क्योंकि किस स्थिति में क्या कदम उठाना है, यह वे तय ही नहीं कर पाते। किस स्थिति में पेरेंट्स को क्या करना चाहिए और क्यों।

स्कूल जाने-पढ़ाई में आनाकानी करे तो...

बच्चा स्कूल जाने और पढ़ाई से बचता है तो पेरेंट्स बच्चे पर गुस्सा करते हैं। मां कहती है कि तुमसे बात नहीं करूंगी। पापा कहते हैं कि बाहर खाने-खिलाने नहीं ले जाऊंगा, खिलौना खरीदकर नहीं दूंगा। बच्चा थोड़ा बड़ा है तो पेरेंट्स उससे कहते हैं कम्प्यूटर वापस कर मोबाइल वापस कर। तुम बेकार हो, बेवकूफ हो। अपने भाई-बहिन को देखो, वे पढ़नें में कितना आगे हैं, इस तरह की तुलना गलत है। इससे बच्चे में कुंठा पैदा हो सकती है।

क्या करना चाहिए?

वजह जानने की कोशिश करें कि बच्चा पढ़ने से क्यों बच रहा है। कई वजहें हो सकती हैं। मसलन, उसका आईक्यू लेवल कम हो सकता है, कोई टीचर नापसंद हो सकता है, वह उस वक्त नहीं बाद में पढ़ना चाहता हो आदि। बच्चा स्कूल जाने लगे तो उसके साथ बैठकर डिस्कस करें कि कितने दिन स्कूल जाना है, कितनी देर पढ़ना है आदि। इससे बच्चे को क्लियर रहेगा कि उसे स्कूल जाना है। बहाना नहीं चलेगा। उसे यह भी बताएं कि स्कूल में दोस्त मिलेंगे, उनके साथ खेलना है।

अगर बच्चा स्कूल से उदास लौटता है तो प्यार से पूछें कि क्या बात है, क्या टीचर ने डांटा या साथियों से लड़ाई हुई। अगर बच्चा बताए कि फलां टीचर या बच्चा परेशान करता है तो उससे कहें कि हम स्कूल जाकर बात करेंगे। स्कूल जाकर बात करें भी लेकिन सीधे टीचर को दोष न दें।

जो बच्चे हाइपरऐक्टिव होते हैं, उन्हें अक्सर टीचर शैतान मानकर इग्नोर करते हैं। ऐसे में टीचर से रिक्वेस्ट करें। बच्चे को एक्टिविटीज में शामिल करें और उसे मॉनिटर जैसी जिम्मेदारी दें। इससे वह जिम्मेदार बनता है।

बिना बताए चीजें उठा ले तो ...

बच्चे किसी की भी कोई चीजें उठा लेते हैं, तो पेरेंट्स उन्हें पीटने-डांटने लगते हैं। भाई-बहिनों के आगे उसे शर्मिन्दा करते हैं। वे यह संदेश देते हैं कि अपनी चीजें संभालकर रखना क्योंकि यह चोर है। कई बार कहते हैं कि तुम हमारे बच्चे नहीं हो सकते। अगर कोई दूसरा ऐसी शिकायत लाता है तो वे मानने को तैयार नहीं होते कि हमारा बच्च ऐसा कर सकता है। पर्दा डालने की कोशिश करने लगते हैं। ऐसा करने पर सजा जरूर दें, लेकिन सजा मार-पीट के रूप में नहीं, बल्कि बच्चे को टीवी पर पसंदीदा प्रोग्राम नहीं देखने देना, उसे आउटिंग पर नहीं ले जाना, खेलने नहीं देना जैसी सजा दी जा सकते हैं। जो चीज उसे पसंद है, उसे कुछ देर के लिए उससे दूर कर दें।

(लेखक मीरिण्डा सी. सै. स्कूल, उदयपुर के निदेशक हैं)

राजेन्द्र सिंह देवड़ा

मोबाइल
9413665250
9001010790

मातेश्वरी कंस्ट्रक्शन

भवन निर्माण का कार्य मय मटेरियल सहित किया जाता है।

"वरडा हाऊस"

27, राजेश्वर नन्द कॉलोनी, 100 फीट रोड, मीरा नगर, भुवाणा, उदयपुर

With Best Compliments

VIKAS DAGA
94609 45001
93510 45001

DAGA BEARINGS

A HOUSE OF ALL KINDS OF
INDUSTRIAL BEARINGS & V-BELTS

SKF

PACE BEARINGS

Authorised Distributor :-

ENDURA HI-TECH V-BELTS

Mahaveer Bhawan, Nr. Taiyabiya School, New Ashwini Bazar
Delhi Gate, Udaipur - 313001, ☎ : 0294- 2421155
E-Mail : vikassdaga@yahoo.com

हल्दीघाटी का मोहक महाराणा प्रताप संग्रहालय

वीर प्रसूता मेवाड़ भूमि की हल्दीघाटी में जन्मे, पले-बढ़े मोहन श्रीमाली द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप संग्रहालय और आस-पास का संकुल आज राष्ट्र का गौरव बन गया है। जो सरकार को करना चाहिए था, उसे इन्होंने कर दिखाया।

मेवाड़ के शौर्य और पराक्रम की गाथाएं इतिहास में वर्णित हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से राजस्थान के राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ व हल्दीघाटी का बड़ा महत्व है, मगर पर्यटन की दृष्टि से उपेक्षित रहे इस जिले में महाराणा प्रताप संग्रहालय दूर-दूर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। वीर प्रसूता मेवाड़ भूमि की हल्दीघाटी में जन्मे, पले-बढ़े मोहन श्रीमाली द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप संग्रहालय और आस-पास का संकुल आज राष्ट्र का गौरव बन गया है। जो राज्य अथवा केन्द्र सरकार को करना चाहिए था, उसे इन्होंने कर दिखाया। सरकार की उपेक्षा को देखते हुए इन्होंने हल्दीघाटी व महाराणा प्रताप की स्मृति को जीवंत बनाए रखने का सराहनीय कार्य किया।

यह देश का प्रथम निजी संग्रहालय है, जो बिना सरकारी सहायता के एकाकी बलबूते पर निर्मित हुआ है। 15 हजार वर्ग मीटर में फैला संग्रहालय चेतक मगरी के पश्चिम में एक ऊंची पहाड़ी पर खमनोर व बलीचा गांव के बीच में स्थित है, जिसमें प्रातः स्मरणीय महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े विविध प्रसंगों को फाइबर मॉडल के द्वारा प्रदर्शित किया गया है। विविध ऐतिहासिक घटनाएं, पन्नाधाय का

त्याग, शेर से युद्ध, चेतक घोड़ा, घास की रोटी खाते महाराणा प्रताप, गुफा में रणनीति रचना, गाड़िया लुहारों की प्रतिज्ञा आदि प्रसंगों के मॉडल दर्शकों के मन में शौर्य भाव पैदा कर देते हैं। सभी मॉडल फाइबर व अत्याधुनिक उपकरणों से निर्मित हैं।

विद्युत चालित अत्यंत सजीव व मनमोहक मॉडल के पार्श्व से निकलती संगीत ध्वनि व प्रकाश का संयोजन काफी मनोहारी लगता है, जो पर्यटकों को हल्दीघाटी में पुनः बार-बार आने के लिए प्रेरित करता है। महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़ी एक लघु फिल्म भी संग्रहालय में दिखाई जाती है, जिसे देख कर पर्यटकों की आंखें श्रद्धा से नम हो जाती हैं।

श्रीमाली की देशभक्ति और समर्पण के चलते हल्दीघाटी संग्रहालय में महाराणा प्रताप के जीवन से जुड़े नित नए व दुर्लभ प्रसंगों को संग्रहालय में निरंतर जोड़ा जा रहा है। यही वजह है कि हल्दीघाटी में दिनों-दिन पर्यटकों की आवाजाही बढ़ती जा रही है।

- जयवर्द्धन

सर ! ... संभालिए अपना 'ताज'

– विष्णु शर्मा हितैषी

पिछले महीने देश के कुछ बड़े अखबारों में एक ख़बर यह भी थी कि लू के थपेड़ों' और यमुना की गन्दगी में पनपने वाले कीड़े 'काइरोनोमस' से 17वीं सदी का अनुपम स्मारक 'ताज महल' बदरंग हो रहा है। ये कीट ताज की दीवारों पर चिपक कर हरे रंग के धब्बे छोड़ रहे हैं। ये धब्बे इन कीटों का मल है। इसके साथ ही हवा में घुले कार्बन कण भी इसे बदरंग बना रहे हैं। 'ताज महल' की खूबसूरती को लीलने वाला यह कोई पहला समाचार नहीं था। पिछले ढाई दशकों से विश्व की यह अनूठी धरोहर अपने अस्तित्व के लिए निरंतर संघर्ष कर रही है। इस सम्बन्ध में शीर्ष अदालत की चिंता को न केन्द्र और न ही उत्तरप्रदेश सरकार ने कभी गंभीरता से लिया। आगरा में यमुना किनारे निर्मित इस श्वेत संगमरमर के प्रेम स्मारक को आसपास की औद्योगिक इकाईयों के धुएं और अपशिष्ट ने भारी नुकसान पहुंचाया है, इसके आसपास के इलाकों में औद्योगिक इकाइयां विस्तार पाती रहीं और इसे धीमा ज़हर देती रही। यदि अब भी नहीं चेता गया तो इसे बचाने का शायद ही कोई दूसरा मौका मिले।

सुप्रीम कोर्ट पिछले साल जुलाई में यह कह चुका है कि 'किसी न किसी को तो ताजमहल की ज़िम्मेदारी लेनी ही होगी। यह बात सर्वोच्च अदालत ने तब कही जब जुलाई 018 के तीसरे सप्ताह में ताज महल को औद्योगिक प्रदूषण, वाहनों के विषाक्त धुएं और मानव जनित गतिविधियों से बचाने के लिए प्रस्तावित सुरक्षात्मक ताज ट्रेपिजियम जोन के बारे में उत्तरप्रदेश सरकार की ओर से मात्र एक 'मसौदा प्रस्ताव' दाखिल किया गया था। तब न्यायाधीश मदन बी. लोकुर की अगुवाई वाली खंडपीठ ने उत्तरप्रदेश सरकार के लचर रवैये पर हैरानी जताते हुए कहा था कि – 'आपने एक मसौदा प्रस्ताव क्यों दाखिल किया, क्या हम उसे ठीक करने के लिए हैं, पर्यावरण सुरक्षा और उस क्षेत्र में चीजों को दुरुस्त करने की जिम्मेदारी किसकी है ? पीठ के अन्य सदस्य थे न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नज़ीर और न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता।

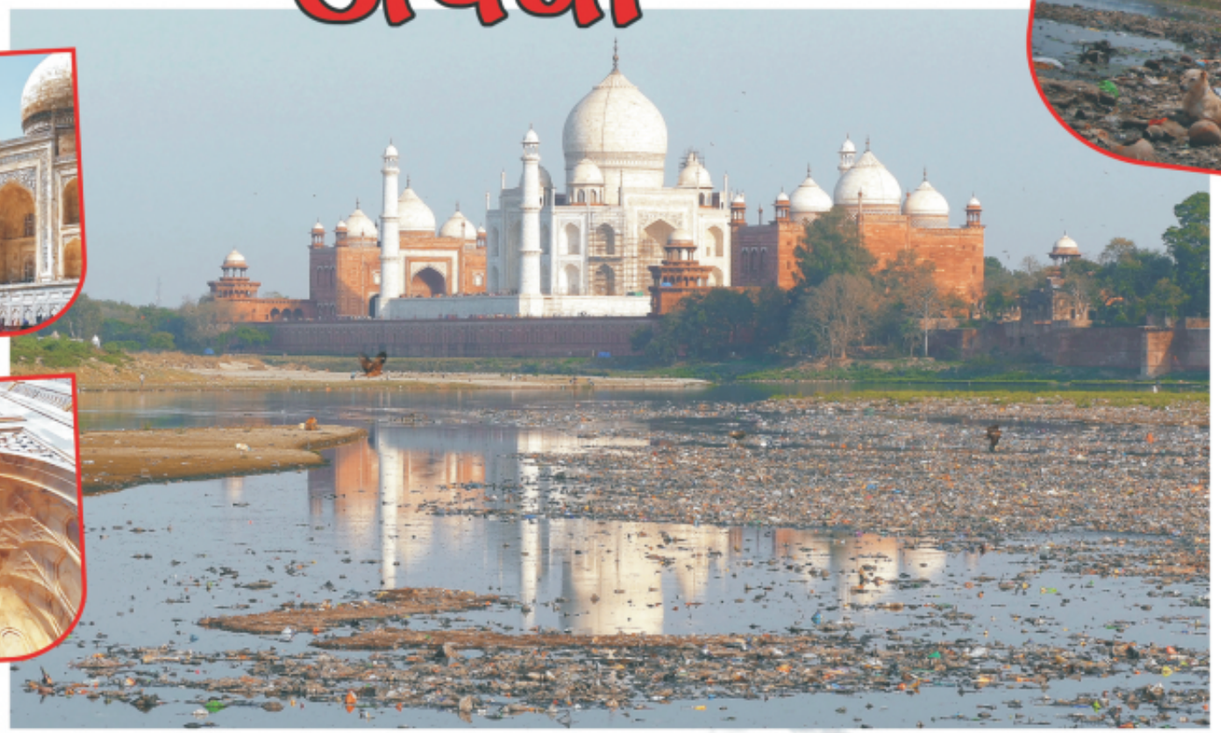

पीठ ने उत्तरप्रदेश सरकार से यह भी पूछा था कि वह इस बात की जानकारी दे कि ताजमहल का वास्तव में प्रभारी कौन है ? केन्द्र और उप्र सरकार में ताजमहल की रक्षा के लिए जिम्मेदार कौन है ? बड़ी अजीब बात है कि बाएं हाथ को ही पता नहीं चल रहा है कि दायां हाथ क्या कर रहा है। यह लापरवाही काफी हैरान करने वाली है। अदालत की सख्त टिप्पणी के बाद भी दुनिया की इस खूबसूरती और इतिहास के पन्नों पर दर्ज इमारत की सार-संभाल के लिए विशेष कुछ नहीं किया जा रहा है, सिवाय कागज़ी प्रस्ताव तैयार करने और अदालत व लोगों को गुमराह करने के।

उत्तरप्रदेश सरकार ने ताज की सुरक्षा और संरक्षण के लिए सर्वोच्च अदालत में जो 'दृष्टिपत्र' पेश किया था, उसमें मात्र सुझाव देते हुए कहा था कि इस स्मारक के आसपास के समूचे इलाके को प्लास्टिक मुक्त क्षेत्र घोषित किया जाए और प्रदूषण फैलाने वाली सारी औद्योगिक इकाइयां बन्द कर दी जाएं।

शेष पृष्ठ 29 पर ...

गंगा के साथ यमुना की सफाई भी जरूरी है। प्रदूषण इसकी धीमी मौत का कारण बन रहा है। आगरा और पानीपत के बीच पानी काला और बदबूदार है। हरियाणा में हथिनीकुंण के बाद तो यह नदी पतलीधार मात्र रह जाती है।

रोजाना म्युनिसपल नाले से आकर मिलने वाला अशोधित करीब 630 एमएलडी गंदा पानी, नदी पर तैरता प्लास्टिक, चमड़ा फैक्ट्रियों का कचरा, बहती लाशें, उद्योगों का विषाक्त अपशिष्ट, इन सबसे यमुना एक नाले में तब्दील हो रही है। यह गन्दगी और उद्योगों की चिमनियों से उठता धुंआ, ताज को अपनी गिरफ्त में लेकर उसकी उम्र को कम कर रहा है।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा

AADHAR PRODUCTS

डिसाइड®

वाशिंग पाउडर

हमारे अन्य उत्पाद

- डिसाइड वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर
- डिसाइड सुपर व्हाईट वाशिंग पाउडर 4कि.ग्रा. जार
- डिसाइड गोल्ड वाशिंग पाउडर
- एडवाइस वाशिंग पाउडर
- एडवाइस डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड डिशवाश बार
- डिसाइड डिशवाश टब
- डिसाइड डिटर्जेन्ट केक
- डिसाइड नमक
- डिसाइड बाथ सोप

AADHAR PRODUCTS PVT. LTD.
(AN ISO 9001:2015 CERTIFIED COMPANY)
F-264, F-264A, RIICO Ind. Area, Gudli, Udaipur - 313 024 (Raj.) India
CIN : U15412RJ2005PTC020174

FOR CONSUMER FEEDBACK, PLEASE CONTACT TO EXECUTIVE (CUSTOMER CARE) ON
77278 64004
or email at aadharproducts@rediffmail.com

www.aadharproducts.in

पृष्ठ 27 का शेष ...

यह 'दृष्टिपत्र' भी सरकार ने तब पेश किया जब दुनिया के सात अजूबों में शामिल मुगलकालीन इस स्मारक की देखरेख के प्रति उदासीन रवैये को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने 11 जुलाई, 2015 को फटकार लगाई थी। यहां यह बताना भी ज़रूरी है कि सुप्रीम कोर्ट पिछले दो दशक से भी अधिक समय से ताजमहल के संरक्षण के लिए इसके आसपास के इलाके में विकास कार्यों की निगरानी कर रहा है। मुगल शहंशाह शाहजहां द्वारा आगरा में यमुना किनारे 1643 में अपनी बेगम मुमताज की याद में बनवाए गए संगमरमर के इस स्मारक को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया हुआ है।

सन् 1996 में ताज इलाके में 500 से अधिक उद्योग थे, जिनकी संख्या बढ़ते-बढ़ते अब 1100 के आंकड़े को भी पार कर गई है। ये सभी उद्योग प्रदूषण फैलाने के जिम्मेदार माने गए हैं। ताजमहल को बाहर और भीतर, दोनों ही ओर से खतरा है। वह वायु प्रदूषण से मटमैला-सा हो रहा है तो यमुना तट पर

रेत की अवैध और बेतहाशा खुदाई से इसकी नींव भी खोखली होने की बातें सामने आ रही हैं। ताज के पीछे यमुना जल काला-भूरा हो चुका है, जिससे चौबीसों घंटे दुर्गंध उठती है। पानीपत और आगरा के बीच भी यही स्थिति है। राजस्थान की अरावली पहाड़ियों में अनियोजित खनन और मरूस्थल तथा नदियों में अवैध बजरी दोहन से उड़कर आने वाले रेत कण ताज की संगमरमरी दीवारों का क्षरण कर रहे हैं। इस खूबसूरत शाहकार की 10 से 12 किलोमीटर की परिधि में यमुना के तट पर आठ घाट हैं, जिन पर लोग नहाने, कपड़े धोने के अलावा धार्मिक अनुष्ठान, अन्तिम संस्कार और मूर्ति विसर्जन जैसे क्रियाकलाप करते रहते हैं। इसके अलावा कई शहरों का सीवेज भी इस तट पर आकर जमा होता है। माना कि इस बेमिसाल धरोहर को उसके मौलिक रूप में अगली पीढ़ी को सौंपने के लिए कतिपय पर्यावरण प्रेमी, पत्रकार, इतिहासकार, वास्तुकार और कानूनविद् लम्बी लड़ाई लड़ रहे हैं और शीर्ष अदालत भी पूरी जागरूकता के साथ इस लड़ाई को नतीजे तक पहुंचाने के लिए सक्रिय हैं, लेकिन अब और देर नहीं।

जहाँ गरुड़ ने की तपस्या पांडवों ने रमाई धूँणी

बहुआयामी लोक संस्कृति, पुरावैभव और प्राचीन परंपराओं का धनी राजस्थान का राजसमन्द जिला देश भर में अपनी तरह का ऐसा अनुपम और मनोहारी क्षेत्र है, जहाँ की वादियों में सुकून के सुनहरे और रसीले मनोहारी प्रपात झरते रहे हैं। पर्वतीय सौन्दर्य के साथ ही यहाँ की पर्वत श्रृंखलाओं में बसे प्राचीन महत्व के दर्शनीय स्थलों का भी अपना विशिष्ट इतिहास रहा है। इन्हीं में एक है गरुड़िया मगरा।

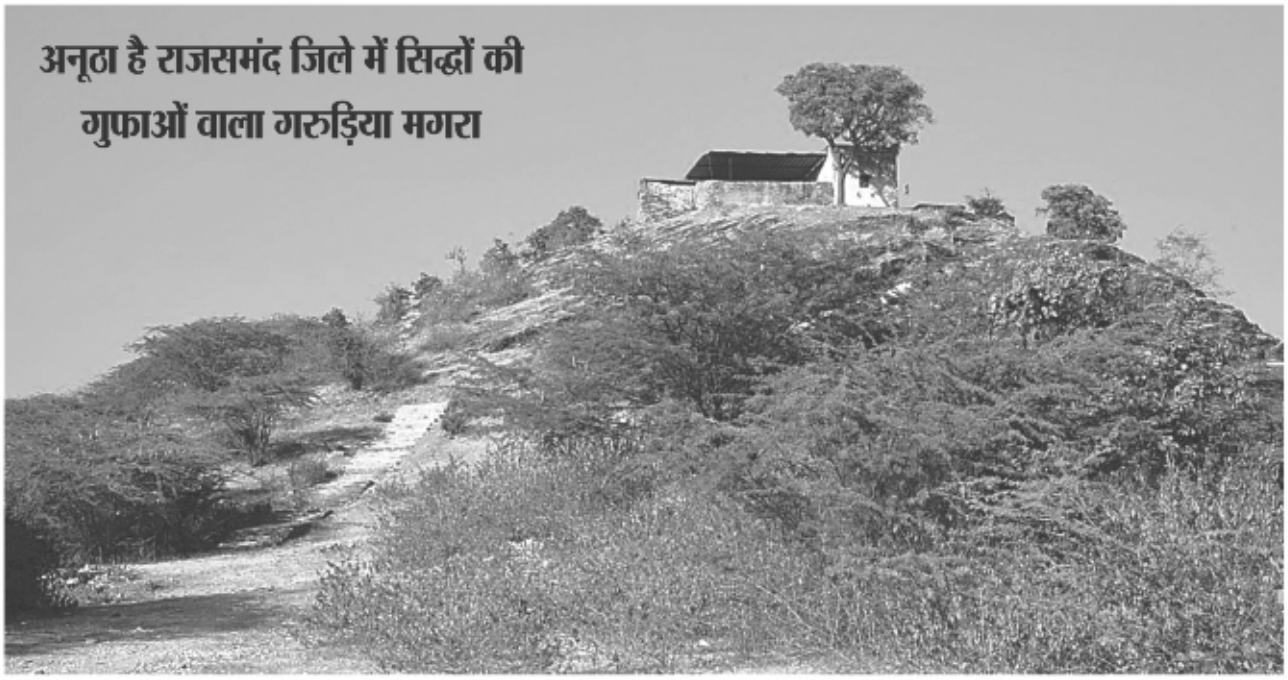

अनूठा है राजसमंद जिले में सिद्धों की गुफाओं वाला गरुड़िया मगरा

- डॉ. दीपक आचार्य

राजस्थान के राजसमन्द जिला मुख्यालय से 16 किलोमीटर दूर भाटोली ग्राम पंचायत के सथाना क्षेत्र में अवस्थित एक पहाड़ी पुराने जमाने से लोक श्रद्धा और आस्था का केन्द्र रही है। गरूड़िया मगरा कही जाने वाली यह पहाड़ी अपने भीतर अनेक गुफाओं को सहेजे हुए हैं जिनका एकान्त और प्रकृति का सामीप्य पाकर प्राचीनकाल में सिद्ध तपस्वियों, ऋषि-मुनियों और संत-महात्माओं ने कठोर तपस्या की और लौकिक एवं अलौकिक सिद्धियों को लोक कल्याण एवं जगत उद्धार में लगाया।

पहाड़ी के शिखर पर हिंगलाज माता का धाम है जहाँ चतुर्मुखी शिवलिंग, महाकाली, हनुमान, भैरव आदि की मूर्तियाँ स्थापित हैं और अखण्ड जोत व धूंणी प्रज्वलित रहती है। हर मौसम में इस पहाड़ी का नैसर्गिक वैभव पर्यटकों व श्रद्धालुओं को सुकून की फुहारों से नहलाता रहता है।

सूर्योदय एवं सूर्यास्त के मनोहारी नज़ारे के साथ ही इस पहाड़ी से मीलों तक का विहंगम दृश्यावलोकन किया जा सकता है। वन्य जीव भी यहाँ पूरी मस्ती में विचरण करते देखे जा सकते हैं। पक्षियों का कलरव गान दिन भर यहां गूंजता है।

लम्बे समय से इस माता धाम की सेवा-पूजा कर रहे महंत हरिनन्द महाराज के अनुसार इस पहाड़ पर गरुड़जी ने तपस्या की थी। इसी वजह से इसे गरुड़िया मगरा कहा जाने लगा जो बाद में अपभ्रंश होकर गराड़िया मगरा हो गया। बाद में पाण्डवों ने यहाँ धूँणी स्थापित की। इसे योगेश्वर की गादी भी कहा जाता है। यहां की धूंणी के बारे में मान्यता है कि यह सिद्ध है। इसमें श्रीफल के हवन से मनोकामनाएं पूरी होती हैं। हरिनंद महाराज को अध्यात्म की शिक्षा-दीक्षा गुरु भैरूराम जी महाराज से मिली, जिन्होंने वर्षों तपस्या के बाद यहां जीवित समाधि ली।

सिद्धों की गुफाएँ

गराड़िया मगरा के आँचल में कई गुफाएं हैं जिनके बारे में कहा जाता है कि प्राचीनकाल में सिद्धों ने तपस्या और ध्यान के लिए इन गुफाओं का उपयोग किया। पहाड़ी के शिखर पर अवस्थित गराड़िया माताजी मन्दिर के पार्श्व में स्थित गुफा में हिंगलाज देवी की प्रतिमा है जहां अखण्ड जोत प्रज्वलित है। इस तरह की तीन और गुफाएं हैं लेकिन अब उन्हें बंद कर रखा गया है।

यहाँ रहे महन्त शीतलनाथ महाराज के बारे में कहा जाता है कि वे बहुत सिद्ध थे और उनकी साधना के दौरान शेर भी उपस्थित रहता था। पहाड़ के ढलान में अवस्थित गुफा में हनुमान, काली, कालाजी-गोराजी भैरव आदि की प्रतिमाओं के साथ धूंणी स्थित है।

भाटोली पंचमुखी हनुमान मन्दिर आश्रम के महंत जगदीश भाई सेन गराड़िया मगरा को सिद्धों का डेरा बताते हुए कहते हैं कि गराड़िया मगरा से कभी-कभार गर्जना भी सुनाई देती है। इस धाम पर नाथ योगियों का भी दबदबा रहा है। वे बताते हैं कि नाथजी महाराज की कृपा से फतहपुरा व आस-पास के कई परिवारों के वंशज अपने नाम के साथ सिंह की बजाय नाथ लगाते हैं। इस धाम के बारे में मान्यता है कि यहां वही संत या साधक टिक सकता है जो निर्मल हृदय हो।

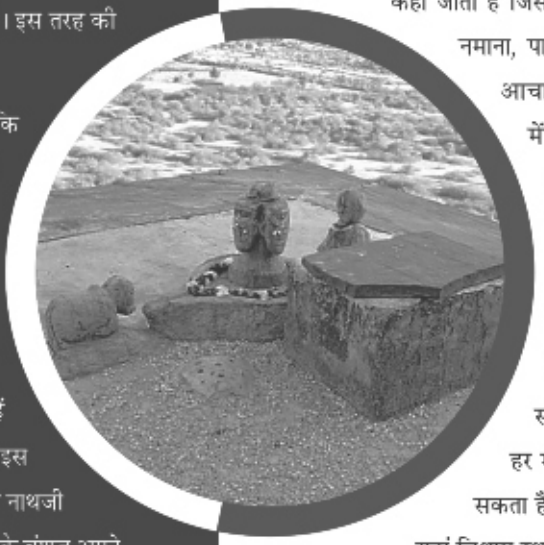

आस्था का केन्द्र

मेवाड़ अंचल के विभिन्न गांवों के लोगों के लिए गराड़िया मगरा श्रद्धा केन्द्र होने के साथ ही प्राकृतिक भ्रमण स्थल और पिकनिक स्पॉट भी है। गराड़िया मगरा की धूंणी को बारह गांव की धूंणी कहा जाता है जिसके प्रति भाटोली, सथाना, नमाना, पाखण्ड, राज्याबास, पिपली आचार्यान, मेंघटिया कला, मेंघटिया खुर्द, बिजनोल आदि गांवों के ग्रामीणों की अगाध श्रद्धा है। शिवरात्रि में यहां श्रद्धालुओं का बड़ा मेला लगता है।

गराड़िया मगरा किसी हिल स्टेशन से कम नहीं है जहाँ हर मौसम का आनंद पाया जा सकता है। श्रद्धावान भक्तों के लिए यहां विश्राम स्थल भी मौजूद है। मीलों दूर से दिखाई देने वाले गराड़िया मगरा का पुरातन वैभव आज भी आकर्षण और श्रद्धा का केन्द्र है।

'युवराज' का संन्यास

– गौरव शर्मा

भारत के 2007 टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप में जीत के हीरो रहे युवराज सिंह (37) ने 10 जून को इन्टरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया। साल 2000 में भारत के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले युवराज की 2019 के वर्ल्ड कप में खेलने की इच्छा पूरी नहीं हो सकी। वे आईपीएल मैचों के पहले से ही खराब फॉर्म और फिटनेस की समस्या से जूझ रहे थे। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ आलराउंडर में शुमार युवराज सिंह को भारतीय क्रिकेट में सिक्सर किंग और कैंसर विजेता के रूप में भी जाना जाता है। भले ही उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया हो, वे आईपीएल भी न खेलें, लेकिन क्रिकेट की दुनिया में उनकी मौजूदगी हमेशा बनी रहेगी और उदीयमान खिलाड़ी उनसे प्रेरणा लेते रहेंगे।

सत्रह साल के अपने क्रिकेट जीवन में उन्होंने जो माइल स्टोन वे अपने में एक रिकॉर्ड है। चाहे मैचों की संख्या हो, रनों का आंकड़ा हो या विकेट या फिर आईपीएल मैच के खिलाड़ी की कीमत हो, युवराज हमेशा चैंपियन के रूप में ही रहे। उन्नीस साल की उम्र में क्रिकेट मैदान पर कदम रखने वाले युवराज सिंह की सफलताओं का सफर 2004 से ही शुरू हो गया था। जब उन्होंने लाहौर में पाकिस्तान के विरूद्ध पहला टेस्ट सैंकड़ा मारा। इसके बाद 2007 में उन्होंने टी-20 विश्व कप में इंग्लैण्ड के खिलाफ एक ओवर में छह छक्के जड़े थे। इसके अलावा बारह गेंदों में सबसे तेज अर्धशतक भी लगाया था। विश्व कप में तीन सौ से ज्यादा रन और पन्द्रह विकेट लेने वाले वे पहले ऑलराउंडर बने और 2011 में विश्वकप में 'मैन ऑफ द सीरीज' का सम्मान भी उन्हें मिला। सन् 2015 के आईपीएल में वे सबसे महंगे खिलाड़ी थे।

उपलब्धियों के मामले में वे लगातार आगे बढ़ रहे थे कि सन् 2011 में उनके जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिससे न केवल वे बल्कि समूचा क्रिकेट यह जानकर स्तब्ध रह गया कि उन्हें फेफड़े का कैंसर है। यह ऐसा वक्त था, जब वे कैरियर के शीर्ष पर थे। क्रिकेट ने उन्हें गिरना, उठना और लड़ना सिखाया। इसी जज्बे से कैंसर से भी वे लड़े और अन्ततः लम्बे समय तक कठिन संघर्ष के बाद विजेता के रूप में बाहर निकले। इस लड़ाई में उनकी मां बराबर उन्हें हौसला देती रही। कैन्सर को पछाड़ कर इस योद्धा ने 2012 में इंग्लैण्ड के खिलाफ टेस्ट खेला, जो उनका आखिरी टेस्ट था। लेकिन वनडे, टी-20 और आईपीएल वे उसके बाद भी लगातार खेलते रहे।

आईपीएल में 'युवी'

युवराज सिंह ने 132 आईपीएल मैचों में 24.77 की औसत से 2750 रन बनाए हैं, जिसमें 13 अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका बेस्ट स्कोर 83 रन रहा। आईपीएल में युवराज सिंह के नाम 36 विकेट हैं और उनका बेस्ट प्रदर्शन 29 रन देकर 4 विकेट रहा है। आईपीएल में युवराज के नाम दो हैट्रिक हैं।

इंटरनेशनल सफर : युवराज सिंह ने साल 2000 में केन्या के खिलाफ नैरोबी में अपना वनडे डेब्यू किया था। यह उनका पहला इंटरनेशनल मैच भी था। युवराज सिंह 2007 टी-20 वर्ल्ड कप और 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप में चैम्पियन बनी टीम इंडिया के हीरो रहे। वह इन दोनों ही टूर्नामेंट में 'मैन ऑफ द सीरीज' रहे। युवराज सिंह ने भारत के लिए 2003, 2007 और 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप खेला था।

युवराज का प्रदर्शन

304 वनडे बल्लेबाजी : 8701 रन, 14 शतक और 52 अर्धशतक। बेस्ट स्कोर 150 रन।

गेंदबाजी : 111 विकेट बेस्ट प्रदर्शन 31 पर 5 विकेट

40 टेस्ट : बल्लेबाजी : 1900 रन, 3 शतक और 11 अर्धशतक। बेस्ट स्कोर 169 रन रहा।

गेंदबाजी : 9 विकेट बेस्ट प्रदर्शन 9 रन पर 2 विकेट।

58 टी-20 : बल्लेबाजी : 1177 रन, 8 अर्धशतक। बेस्ट स्कोर नाबाद 77 रन रहा।

गेंदबाजी : 28 विकेट बेस्ट प्रदर्शन 17 रन पर 3 विकेट।

मां ही मेरी ताकत

'यह मेरे लिए बहुत भावुक पल है। देश के लिए खेलना किसी भी खिलाड़ी के लिए सर्वाधिक गौरव की बात होती है। उस खेल को छोड़ना आसान नहीं होता, जिसे आप बेइन्तहा प्यार करते हैं। यह मुश्किल और साथ ही मेरे लिए बहुत खूबसूरत समय है। क्रिकेट कॅरियर में 25 और अंतरराष्ट्रीय कॅरियर में 17 साल गुजारने के बाद अब मैंने आगे बढ़ने का फैसला किया है। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैंने देश के लिए 400 से ज्यादा मैच खेले। जब मैंने अपना क्रिकेट कॅरियर शुरू किया था तब मैंने कभी यह कल्पना नहीं की थी कि मैं यहां तक पहुंचूंगा। मैंने इस खेल को इतना प्यार किया जिसे मैं शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकता। इस खेल ने मुझे सिखाया कि किस तरह लड़कर उठा जाता है। मां हमेशा मेरी ताकत रही है और उनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है। मैं अपने परिवार और खासतौर पर अपनी मां को धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने मुझे दो बार जन्म दिया है। कैंसर जैसी बीमारी के समय वह हमेशा मेरे साथ रहीं और मुझमें जीवन की ललक पैदा करती रहीं। मैं अपनी पत्नी का भी शुक्रगुजार हूं जो मुश्किल समय में मेरा हौसला बढ़ाती रहीं। मैं अपने नजदीकी मित्रों को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जो मुझसे ऊब से गए थे लेकिन हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। सौरव गांगुली की कप्तानी में खेलना शुरू किया। मैं सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, अनिल कुम्बले, जवागल श्रीनाथ जैसे लेजेंड के साथ खेला। आशीष नेहरा, भज्जी जैसे दोस्त मिले। जहीर, वीरू, गौतम जैसे मैच विनर्स के साथ खेला। मुझे महेन्द्र सिंह धोनी जैसे कप्तान और गैरी कर्स्टन जैसे सबसे नायाब कोच के साथ खेलने का भी मौका मिला।'

(मुम्बई की प्रेस कॉन्फ्रेन्स में क्रिकेट से संन्यास की घोषणा के दौरान युवराज के उद्गार)

हमें आप पर गर्व है

आपका कैरियर काफी शानदार रहा युवी! जब भी टीम को जरूरत थी, आपने हमेशा सच्चे चैंपियन की तरह टीम की मदद की।

- सचिन तेंदुलकर

खिलाड़ी आएंगे, जाएंगे लेकिन युवी आपके जैसा खिलाड़ी शायद ही मिले।

- वीरेन्द्र सहवाग

आपने हमें बहुत सी यादें और जीत दी और मैं पूर्ण चैम्पियन आपको जीवन और आगे की सभी चीजों के लिए शुभकामनाएं देता हूँ।

- विराट कोहली

क्रिकेट के इतिहास में सबसे महान विजेता और तमाम मुश्किलों के बावजूद एक योद्धा की तरह कैरियर को आगे बढ़ाते रहे। आप पर हमें गर्व है।

- मोहम्मद कैफ

भाई, आपको बहुत सारा प्यार। आप एक बेहतर विदाई के हक़दार थे।

- रोहित शर्मा

उसका फैसला सही वक्त पर था। वह जिंदादिल है। वह जो कुछ करता है, देश के लिए करता है।

- सुखविंदर सिंह (कोच)

रॉक स्टार, एक मैच विजेता, मेरा बहुत अच्छा दोस्त। बाएं हाथ के बल्लेबाजों में युवी सबसे अलग और कलात्मक।

- शोएब अख्तर

(पाकिस्तानी पूर्व तेज गेंदबाज)

मैदान पर और बाहर एक सच्चे सेनानी... आपकी कहानियां हमेशा जीवित रहेंगी।

- हरभजन सिंह

दूर करें उद्योग के वास्तुदोष

– आनंद कुमार अनंत

फैक्ट्री के निर्माण में प्राय: लोग साज-सज्जा पर तो ध्यान देते हैं किन्तु वास्तुशास्त्र के सिद्धान्तों की अनदेखी कर देते हैं। वास्तु के अनुरूप न चलना कंपनियों की रूग्णता का आम कारण है। कंपनी निर्माता परियोजना बनाने में हजारों-लाखों करोड़ रुपए और निर्माण में करोड़ों का खर्च करते हैं। संयंत्र एवं मशीन लगाने में भी करोड़ों खर्च करते हैं किन्तु वास्तुशास्त्र के अनुसार कार्य न करने से कंपनी घाटे में चलने लगती है और एक दिन ठप भी हो जाती है। मनुष्य और मशीन के बीच तालमेल बिठाने एवं उद्योग में प्रगति के लिए वास्तुशास्त्र का ध्यान रखना अत्यंत ही आवश्यक है।

- फैक्ट्री लगाते समय जब भी भूमि चयन करें तो इसका ध्यान अवश्य रखना चाहिए कि भूमि उत्तर-पूर्व में हल्के से विस्तार के साथ पूर्व-पश्चिम में बराबर एवं वर्गाकार या आयताकार हो। ऐसी भूमि उद्योग को लगाने के लिए वास्तुशास्त्र के अनुसार उत्तम मानी जाती है।
- चुने गए भूखण्ड पर कुछ दिनों तक गाय एवं बछड़े को बांधकर एक सप्ताह का भोजन देने से वास्तुदोष हट जाता है तथा वह स्थान गौशाला के रूप में स्थापित होकर मंगलकारी बन जाता है।
- फैक्ट्री में निर्माण कार्य दक्षिण-पश्चिम से कराना और उत्तर-पूर्व के स्थान को खाली छोड़ना सौभाग्य कारक एवं प्रसिद्धि का स्रोत माना जाता है।
- चारदीवारी ऊंचाई और चौड़ाई में एकरूप होनी चाहिए ताकि अनजानी(अदृश्य) विनाशकारी शक्तियों से बचा जा सके।
- प्रवेश द्वार की ऊंचाई चारदीवारी से दुगुनी रखनी चाहिए ताकि द्वार का रंग हरा अथवा पीला होना चाहिए।
- उत्पादन का कार्य दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम पश्चिम दिशा में ही होना चाहिए। चूंकि प्रवेश द्वार उत्तर अथवा पूर्व दिशा में है, अत: प्रशासनिक खण्ड उत्तर-पश्चिम या दक्षिण पूर्व अर्थात् उत्पादन खण्ड के सामने होना चाहिए।
- यह ध्यान रखना आवश्यक है कि उत्पादन क्षेत्र की ऊंचाई प्रशासनिक खण्ड से अधिक हो। इन दोनों ही क्षेत्रों का आकार वर्गाकार अथवा आयताकार होना चाहिए।
- उत्तर दिशा की ओर भूमिगत जल का टैंक सौभाग्य सूचक, पूर्व की तरफ सम्पन्नता एवं प्रसिद्धि को देने वाला होता है। इन दिशाओं में खुले स्थान छोड़ने से लाभ होता है।
- भारी मशीनरी दक्षिण अथवा पश्चिम में तथा हल्की मशीनरी उत्तर एवं पूर्व की तरफ स्थापित किए जाने से उत्पादन में सुगमता एवं सुनिश्चितता होती है।
- कच्चे माल का दक्षिण-पश्चिम से भीतर आना, तैयार वस्तुओं का उत्तर पश्चिम से बाहर जाना स्थायी एवं तीव्र क्रियाशील उत्पादों के उत्पादन में सहायक होता है।
- टॉयलेट उत्तर-पूर्व में और दक्षिण-पश्चिम को छोड़कर कहीं भी बनाए जा सकते हैं। उत्तर में बनाना सर्वोत्तम होता है।

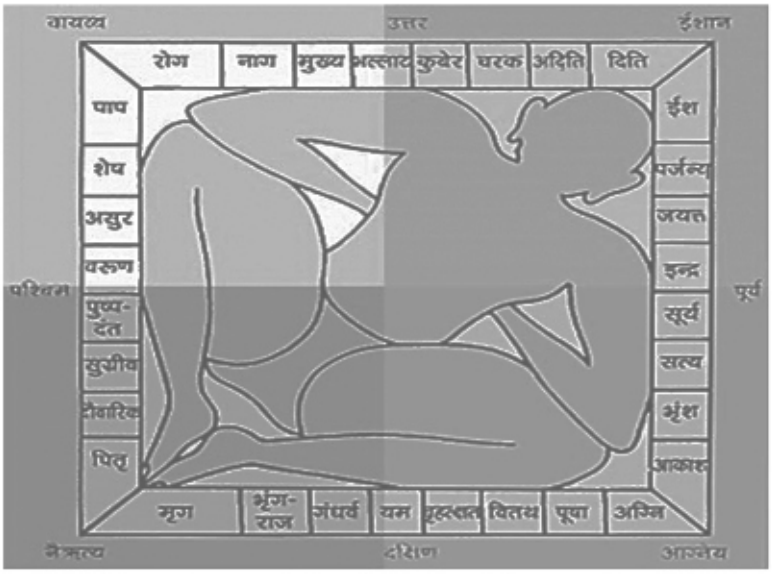

- किसी भी प्रकार के कचरे को निकालने अथवा जलाने के रसायन, सैप्टिक टैंक, जल-उपचार संयंत्र आदि उत्तर, पश्चिम या दक्षिण-पूर्व में होना चाहिए।
- फैक्ट्री के सामने किसी भी प्रकार का कूड़ा-कबाड़ा नहीं होना चाहिए। वह बाधाओं को आकर्षित करता है।
- अगर फैक्ट्री में वित्त सम्बंधी कोई समस्या आ रही हो तो उत्तर पूर्व दिशा के वास्तुदोष को हटा दें। श्रम समस्याओं के लिए दक्षिण-पूर्व एवं दक्षिण-पश्चिम, वस्तुओं की धीमी गति के लिए उत्तर-पश्चिम, विधि संबंधी मामलों के लिए दक्षिण-पूर्व तथा घाटे के लिए उत्तर-पूर्व एवं केन्द्र (बीच) की जांच अवश्य कर लें। संभव है कोई वास्तुदोष हो।

मनोनयन

नड्डा कार्यकारी अध्यक्ष

भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए हैं। 17 जून को भाजपा संसदीय बोर्ड की बैठक में यह फैसला किया गया। नड्डा, मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में स्वास्थ्य मंत्री रह चुके हैं। मोदी सरकार की दूसरी पारी में मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने के बाद से ही भाजपा के नए अध्यक्ष के तौर पर उनका नाम प्रमुखता से सामने आया। हालांकि अभी उन्हें कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी ही दी गई है। शाह संगठन चुनाव तक पार्टी के अध्यक्ष बने रहेंगे। उनके मार्गदर्शन में नड्डा पार्टी का कामकाज देखेंगे।

मै. लक्ष्मी बर्तन स्टोर

(चावण्ड वाला)

झमकलाल जैन

कमलेश जैन

110, कंचन पैलेस, भोपालवाड़ी, उदयपुर

स्टनेलेस-स्टील, सेलम-स्टील, मद्रास-स्टील, डायचा सेट, इन्डक्शन के बर्तन, तांबा, पीतल व फैन्सी बर्तन के थोक व परचुनी विक्रेता

लव कुमार जैन

भव्य रत्न ज्वेलर्स

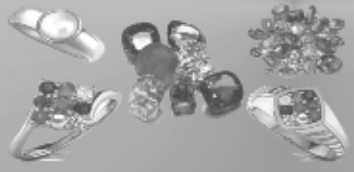

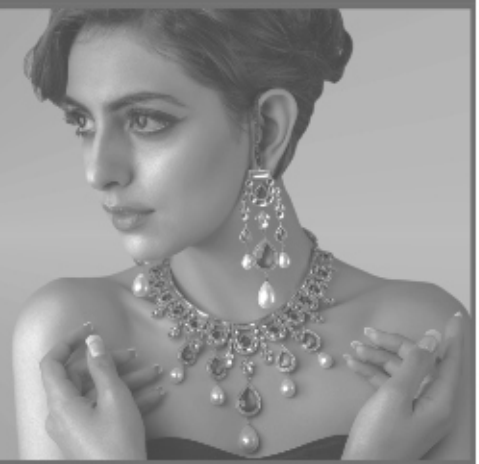

109, कंचन पैलेस, भोपालवाड़ी, देहलीगेट के अन्दर, उदयपुर

हार्दिक शुभकामनाओं सहित

कैलाश नागदा
9799652244

रवि मेडिकल स्टोर, उदयपुर

महाराणा भूपाल चिकित्सालय (जनरल हॉस्पिटल)
के सामने, उदयपुर
Phone :- 0294-2412464

सम्बन्धित फर्म

रवि मेडिकल स्टोर, सलूम्बर एवं लसाड़िया

मौसम चटपटे अचार का...

गर्मियों में नए और चटखारेदार अचार बनाकर दैनन्दिन भोजन का स्वाद बढ़ा लीजिए। झटपट बनने के साथ ही ये अचार स्वाद में भी लाजवाब हैं। देर मत की कीजिए सामग्री जुटाइये और विविध प्रकार के अचार बनाकर भोजन महकाएं और स्वाद बढ़ाएं।

- शिवनिका

आम का मीठा अचार

सामग्री :

आम-1 किलो(कच्चे), गुड़-500 ग्राम, सौंफ-50 ग्राम, मेथी-50 ग्राम, कलौंजी-100 ग्राम, लाल मिर्च पाउडर-इच्छानुसार, हींग-चुटकी भर, सरसों का तेल-150 ग्राम

विधि :

कच्चे आम को धोकर छील लें। उसे छोटी-छोटी फांकों में काटकर थोड़ा सा सुखा लें। सूख जाने पर नमक मिलाकर रख दें। पानी छूट जाने पर आम की फांकें निकाल लें। गुड़ को पानी में भिगो लें। एक कड़ाही में सरसों का तेल गर्म करें। उसमें हींग डालें। भुन जाने पर सब मसाले डाल दें। उन्हें भूनकर उसमें अचार की फांकें डालें। अब थोड़ा भुनने पर गुड़ वाला पानी उसमें मिलाएं। गुड़ कढ़ाही में चिपकने लगे तो उतारकर उसमें गरम मसाला मिला लें। ठंडा होने पर अचार को साफ और सूखे बरतन में भरकर रखें। दो-चार दिन धूप में उसे रखें। मीठा अचार तैयार है।

हरी मिर्च का अचार

सामग्री : हरी मिर्च-2 कप, नींबू का रस-2 चम्मच, तेल-4 चम्मच।

पाउडर बनाने के लिए : साबुत धनिया,-3 चम्मच, सौंफ-1 चम्मच।

विधि : हरी मिर्च को धोकर पानी अच्छी तरह से पोंछ लें। मिर्च को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। पाउडर बनाने के लिए सभी सामग्री को ग्राइंडर में डालें और बारीक पाउडर बना लें। एक बरतन में मसालों का पाउडर निकालें और उसमें नींबू का रस डालकर मिला दें। अब तेल को गर्म करें। जब तेल से धुआं निकलने लगे तो गैस ऑफ कर दें और इस गर्म तेल को मसालों वाले बरतन में डालकर मिला दें। कटी हुई मिर्च को इस बरतन में डालें और अच्छी तरह से मिलाएं। एक साफ मर्तबान में इस अचार को डालें और ढक्कन बंद करके दो दिन धूप में रखें। दो दिन बाद इस्तेमाल में लाएं।

मिक्स अचार

सामग्री :

कच्ची सब्जियां (बींस, कमलककड़ी, घीया, गाजर, आम, हरी मिर्च, कटहल, नींबू सभी 1 किलो), अदरक-50 ग्राम, प्याज-100 ग्राम, नमक-50 ग्राम, लाल मिर्च(पिसी)-25 ग्राम, गरम मसाला-40 ग्राम, सरसों का तेल-2300 ग्राम, ग्लेशियन एसिटिक एसिड-8 ग्राम।

सोडियम बेंजोएट-1 ग्राम

विधि : सब्जियों को धोकर छील लें। उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। उबलते पानी में डालकर उन्हें थोड़ा सा पकाएं। हरी मिर्च, नींबू, आम न उबालें। उबली सब्जियों को छानकर अच्छी तरह सुखा लें। प्याज-अदरक को धोकर छील लें। सरसों का तेल गरम करके उनमें अदरक-प्याज डालकर भूनें। फिर सारी सब्जियां और मसाले डालकर कुछ देर भूनें। फिर उन्हें आंच से उतारें। उस गरमा-गरम में ही ग्लेशियन एसिड मिलाएं। थोड़ से पानी में सोडियम बेंजोएट घोलकर अचार में मिलायें। फिर उसे सूखे-साफ बरतन में भर लें।

गुड़ नींबू का अचार

सामग्री :

कागजी नींबू-12, नमक-3 चम्मच, गुड़-600 ग्राम, लाल मिर्च पाउडर-आधा चम्मच, इलायची-5, गरम मसाला पाउडर-1 चम्मच, काला नमक-2 चम्मच, सौंठ पाउडर-1 चम्मच।

विधि :

नींबू को धोकर अच्छी तरह से पोंछ लें। हर नींबू को आठ-आठ टुकड़ों में काट लें और चाकू की मदद से बीज निकाल लें। मर्तबान में नींबू के टुकड़े और नमक डालें और मर्तबान को बंद करके 15 से 20 दिन तक धूप में रखें। अब गुड का सिरका तैयार करें। इसके लिए आधा कप पानी में गुड़ डालें और गैस पर चढ़ा दें। इलायची का छिलका छील लें ओर इलायची का पाउडर बना लें। जब गुड़ का सिरका तैयार हेा जाए तो उसमें नींबू, सौंठ पाउडर, काला नमक, गरम मसाला, लाल मिर्च पाउडर और इलायची पाउडर डालकर अच्छी तरह से मिलाएं। नींबू को गुड़ के इस मिश्रण में डालकर गुड़ के सिरके को गाढ़ा होने तक पकाएं। गैस ऑफ कर दें और अचार को पूरी तरह से ठंडा होने दें। साफ-सुथरे मर्तबान में इस अचर को रखें और इस्तेमाल में लाएं। यह अचार दो साल तक इस्तेमाल योग्य रहता है।

अधीर कांग्रेस के नेता

कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल से निर्वाचित अपने वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी को लोकसभा में पार्टी का नेता नियुक्त किया है। पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी ने अन्य नेताओं से चर्चा के बाद चौधरी को सदन में पार्टी का नेता बनाने का फैसला किया। पार्टी ने इस संबंध में लोकसभा सचिवालय को पत्र लिखकर सूचित कर दिया है कि चौधरी सदन में पार्टी के नेता होंगे और सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी के नेता होने के नाते वे महत्वपूर्ण चयन समितियों में पार्टी का प्रतिनिधित्व भी करेंगे।

मेवाड़ की बेटी के सिर 'मिस इंडिया' का ताज

राजस्थान के मेवाड़ अंचल में राजसमंद जिले के गांव आईडाणा की सुमन राव ने फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड-2019 का ताज अपने नाम कर देशभर में प्रदेश और परिवार का नाम रोशन किया है। दिसम्बर में थाईलैंड के पटाया में होने वाली मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में सुमन भारत को रिप्रजेंट करेंगी। सुमन को बचपन से डांस और फैशन शो जैसे इवेंट में पार्टिसिपेट करने का शौक रहा। स्कूल हो या कॉलेज, स्टेज पर परफॉर्म करने का मौका उसने कभी नहीं छोड़ा, पेरेंट्स ने भी हमेशा हर मोड पर उसे सपोर्ट किया।

मिस नवीं मुंबई की रही फर्स्ट रनरअप

सुमन ने मार्च में जयपुर से मिस इंडिया के ऑडिशन दिए थे और अप्रेल में पुणे में आयोजित वेस्ट जोन के फिनाले में राजस्थान की स्टेट विनर का टाइटल अपने नाम किया था। इससे पहले सुमन ने पिछले साल ब्यूटी पैजेंट मिस नवी मुंबई-18 में पार्टिसिपेट किया था और फर्स्ट रनरअप रहीं। सुमन ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा मुंबई से ही की है और अभी सीए आर्टिकलशिप कर रही हैं।

खाम की मादड़ी में है ननिहाल

सुमन का जन्म उदयपुर की मावली तहसील के छोटे से गांव 'खाम की मादड़ी' में हुआ था। सुमन जब एक साल की थी, तब ही उनका परिवार मुंबई में शिफ्ट हो गया था। सुमन के पिता रतन सिंह का ज्वेलरी का बिजनेस है, जबकि मां सुशीला कंवर गृहिणी है। सुमन ने 24 जून को जयपुर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से भेंट की। 25 को उदयपुर में रही और 26 जून अपने पैतृक गांव आईडाणा पहुंची जहां उनका भव्य स्वागत हुआ।

Dheeraj Doshi

With best Compliments

MEMBER
Hotel Association,
Udaipur

Hotel Darshan Palace

UIT Circle, Saheli Marg, Udaipur 313001 (Raj.)

Phone : (0294) 2425679, 2427364, E-mail : dhiru58364@rediffmail.com

website: www.hoteldarshanpalaceudaipur.com

ईश-कृपा बरसाती मालाएं

देश-दुनिया के विभिन्न धर्मों और परम्पराओं में अपने ईश या फिर कहें आराध्य की भक्ति में जप का अपना एक विशेष स्थान है। सनातन परम्परा के अनुसार देव पूजा के दौरान मंत्र जाप का विशेष फल मिलता है। मंत्र जाप के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली माला का भी अपना अलग महत्व होता है। एक ओर जहां प्रत्येक देवता के लिए अलग-अलग माला से जप का विधान है, वहीं दूसरी ओर इन मालाओं को धारण करने का भी अपना महात्म्य है। कहने का तात्पर्य यह है कि शैव, शाक्त एवं वैष्णव आदि परम्परा से जुड़ा साधक अपने आराध्य के अनुसार ही माला धारण करता है। परम शक्ति की साधना के लिए उपयोग में लाई जाने वाली माला के महत्व के बारे में बता रहे हैं... **- पं. हीरालाल नागदा**

चंदन की माला

देवी-देवताओं के तिलक के लिए विशेष रूप से प्रयोग में लाए जाने वाले चंदन की तासीर ठंडी होती है। प्रसाद के रूप में माथे पर लगाया जाने वाला चंदन मन और तन दोनों को शीतलता प्रदान कर देवी कृपा दिलाता है। इसी चंदन की माला का वैष्णव परंपरा में साधना के दौरान मंत्र जप में विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। जैसे शक्ति की साधना में लाल चंदन की माला से तो वहीं भगवान कृष्ण के मंत्र का जप सफेद चंदन की माला से किया जाता है। इस माला के मंत्र जप से मनोकामना बहुत जल्दी पूर्ण होती है।

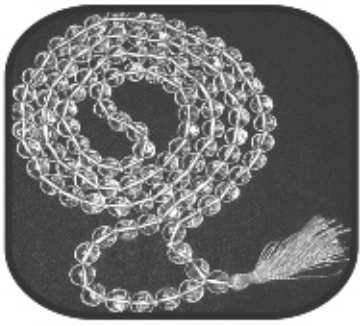

स्फटिक की माला

कांच की तरह नजर आने वाले स्फटिक की माला का भी मंत्र जप आदि के लिए विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। इस माला को धारण करने वाले व्यक्ति का मन शांत रहता है। इस माला के प्रभाव से उसके पास किसी भी तरह की नकारात्मक शक्ति नहीं फटक पाती। उसे हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। मां सरस्वती की साधना-आराधना में स्फटिक माला का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। स्फटिक की माला धन और मन दोनों तरह की ऊर्जा प्रदान करती है।

कमलगट्टे की माला

जीवन में धन और वैभव की चाह मां लक्ष्मी के आशीर्वाद से ही पूरी होती है। ऐसे में मां लक्ष्मी की साधना-आराधना को पूरे विधि-विधान से किया जाना चाहिए। मां लक्ष्मी के मंत्रों की सिद्धि के लिए कमलगट्टे की माला का प्रयोग किया जाता है। इस माला के मंत्र जाप से माता लक्ष्मी शीघ्र प्रसन्न हो जाती हैं और साधक को सुख-समृद्धि का वरदान प्रदान करती है। इसलिए यदि आप आर्थिक रूप से परेशान हैं और तमाम प्रयासों के बाद भी आपके पास धन नहीं टिकता है तो कमलगट्टे की माला को विधि-विधान से धारण करें और इसी माला से मां लक्ष्मी के मंत्र का जाप करें।

वैजयंती माला

वैष्णव परम्परा के तहत अपने इष्टदेव की साधना में इस माला का विशेष प्रयोग किया जाता है। भगवान कृष्ण को यह माला बहुत प्रिय थी। भगवान कृष्ण की कृपा पाने के लिए वैष्णव भक्त इस माला को विशेष रूप से धारण करते हैं। वैजयंती की माला से मंत्र जाप करने से भगवान विष्णु शीघ्र प्रसन्न होकर भक्तों की मनोकामना पूर्ण करते हैं। इस माला को धारण करने से शत्रु भी मित्र की तरह व्यवहार करने लगते हैं। इस माला के साथ प्रभु श्री नारायण का जाप करने पर आत्मविश्वास में वृद्धि और मनोरथ में सफलता मिलती है।

रुद्राक्ष की माला

शैव परम्परा के साधक अपने आराध्य की कृपा पाने के लिए हमेशा अपने शरीर पर रुद्राक्ष धारण किए रहते हैं। शिव की साधना में रुद्राक्ष की माला मंत्र जाप के लिए विशेष रूप से प्रयोग में लाई जाती है। मान्यता है कि रुद्राक्ष की माला से मंत्र जाप करने पर देवाधिदेव महादेव बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं। हालांकि भगवान शिव की साधना में विशेष रूप से प्रयोग में लाई जाने वाली पवित्र रुद्राक्ष की माला का अन्य देवताओं के लिए किए जाने वाले जप में भी प्रयोग किया जाता है।

हल्दी की माला

सनातन परम्परा में पूजा आदि शुभ कार्यों में हल्दी का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है। भोजन में प्रयोग लाई जाने वाली हल्दी सेहत से ही नहीं सौभाग्य से भी जुड़ी हुई है। भगवान श्री गणेश और देवगुरु बृहस्पति हल्दी की माला से जप करने पर शीघ्र प्रसन्न होते हैं। संतान एवं ज्ञान की प्राप्ति के लिए इस माला का विशेष रूप से जप किया जाता है। हल्दी की माला से मां बगलामुखी का जप करने से उनकी शीघ्र कृपा होती है।

तुलसी की माला

सनातन परम्परा में पूजा आदि शुभ कार्यों में तुलसी को अत्यधिक पवित्र पौधा माना गया है। वैष्णव परम्परा से जुड़े लोग न सिर्फ भगवान के प्रसाद में इस के पत्ते का प्रयोग करते हैं बल्कि इसकी माला को विशेष रूप से धारण करते हैं। मान्यता है कि तुलसी की माला धारण करने और भगवान विष्णु और कृष्ण के मंत्रों का जाप करने से यश, कीर्ति और समृद्धि बढ़ती है। इस पवित्र माला से जप करने पर साधक को कई यज्ञ करने का पुण्य प्राप्त होता है। इस माला को धारण करने वाले व्यक्ति को सात्विक रहते हुए तमाम तरह के नियमों का पालन करना पड़ता है।

पाठक पीठ

पाकिस्तान को दो टूक

पाकिस्तान प्रायोजित दहशतगर्दी का माकूल जवाब देते रहना होगा। प्रधानमंत्री जी ने बिश्केक में पाक प्रधानमंत्री से कोई बात न कर बिल्कुल ठीक किया। उन्होंने स्पष्ट कह दिया कि जब तक सीमा पार से आतंक की कार्रवाई नहीं रूकती, तब तक पाकिस्तान से कोई बातचीत नहीं होगी। 'प्रत्यूष' के जून अंक में आतंकी मसूद अजहर को संरा द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित करने के बाद भारत के संभावित कदमों को लेकर प्रकाशित आलेख अच्छा लगा।

- बी. प्रसाद, निदेशक, गोलछा ग्रुप

नकारात्मक राजनीति बेअसर

नरेन्द्र मोदी अमित शाह के नेतृत्व में लोकसभा चुनावों में पुनः शानदार जीत ने यह संकेत दे दिया है कि विपक्ष यदि सकारात्मक मुद्दों से परे सिर्फ आलोचना के लिए ही आलोचना करता रहा तो उसका कोई भविष्य नहीं है। यह बात खास-तौर पर कांग्रेस को समझनी होगी, जो देश की सबसे पुरानी पार्टी ही नहीं, बल्कि आजादी के बाद राष्ट्र के नवनिर्माण में सक्रिय रही। आज उसकी दुर्गति पर हैरत होती है। इस सम्बन्ध में 'प्रत्यूष' के जून अंक की सम्पादकीय में भी बेबाक विचार प्रकट किए गए, जो अच्छे लगे।

- संजय भंडारी, उद्यमी

चन्द्रयान-2 सफल हो

भारत के अन्तरिक्ष अभियन पर 'प्रत्यूष' में प्रकाशित आलेख जीवन और खनिज खोजने की पहल सटीक और सामयिक था। जुलाई में चन्द्रयान-2 के प्रक्षेण की तैयारियां इसरों ने प्रारंभ कर दी है। लॉचिंग सफलतापूर्वक हो, अन्य भारतवासियों के साथ मेरी भी शुभकामना।

- विनोद कुम्भट, उद्यमी

अच्छी पत्रिका, अच्छे आलेख

'प्रत्यूष' का कवर और आलेखों का स्तर देखते हुए कहा जा सकता है कि यह किसी बड़े प्रकाशन समूह द्वारा प्रकाशित पत्रिका से उन्नीस नहीं है। सीमित संसाधनों में एक स्तरीय पत्रिका का प्रकाशन प्रशंसनीय है। जून के अंक में 'धरी रह गई, बड़े नेताओं की बड़ी बातें' आलेख बहुत अच्छा लगा। इसकी प्रसार संख्या में और अधिक इजाफे के साथ, रंगीन पृष्ठ बढ़ाएं।

- प्रेम सिंह दशाना, उद्यमी

कैसा रहेगा आपके लिए यह माह ?

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

यह माह इस राशि पर मध्यम प्रतीत होता है। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होगी और कोर्ट-कचहरी से जुड़े मामलों में भी लाभ प्राप्त होगा, लेकिन आर्थिक पक्ष ठीक नहीं रहेगा। व्यवसाय के लिए कर्ज लेना घातक हो सकता है, सोच-विचार कर निर्णय करें। वैवाहिक जीवन में मधुरता।

वृषभ

आपका स्वभाव वातावरण को खुशनुमा बना देगा। बड़े बुजुर्गों का सहयोग जीवन में परिवर्तन लाएगा, प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के अवसर प्राप्त होंगे, आय पक्ष अच्छा है, परन्तु खर्चों पर नियन्त्रण न होना परेशानी पैदा करेगा। व्यवसाय एवं नौकरी में दिक्कत नहीं आएगी। दाम्पत्य जीवन सामान्य रहेगा।

मिथुन

यह माह मध्यम फलप्रद है। भाषा एवं वाणी का प्रयोग सावधानी से करें। सामाजिक कार्यों में उपलब्धियां प्राप्त होंगी। व्यवसायिक यात्राएँ सफल रहेंगी, तय योजनाएँ अचानक टल सकती हैं। आर्थिक पक्ष सामान्य, वैवाहिक जीवन में आपसी सामंजस्य की कमी रहेगी, नौकरी एवं व्यवसाय सामान्य रहेगा।

कर्क

अति आत्मविश्वास घातक सिद्ध हो सकता है, पुरुषार्थ के अनुरूप सफलता नहीं मिलेगी, मानसिक तनाव बढ़ सकता है। विरोधियों एवं शत्रुओं से सावधानी आवश्यक है, धन हानि हो सकती है, आर्थिक रूप से कमजोर रहेंगे, वैवाहिक स्थिति सामान्य, नौकरी एवं व्यवसाय में उन्नति से प्रसन्नता रहेगी।

सिंह

जीवन साथी के पूर्ण सहयोग से भाग्य को बल मिलेगा और कठिन कार्य भी आसान होगा। आपका स्वभाव विरोधियों की सूची को लम्बी कर सकता है, खुद पर नियन्त्रण आवश्यक है। आर्थिक पक्ष सुदृढ़ रहेगा, स्वास्थ्य एवं दाम्पत्य जीवन में श्रेष्ठता, व्यापार में अनिश्चितता का माहौल बन सकता है।

कन्या

परिवार में मंगल कार्य सम्पादित होंगे, शिक्षा के क्षेत्र में प्रयास फलदायी होंगे। नौकरीपेशा के लिए समय अच्छा है, व्यापारी भी बड़ा निवेश कर सकते हैं, वैवाहिक जीवन में गलतफहमी न पालें। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, स्थान परिवर्तन की सम्भवना है, रक्तचाप के रोगी विशेष ख्याल रखें।

तुला

कामकाज में तेजी आएगी, लम्बे समय से चल रही समस्याओं का समाधान निकलेगा। गुप्त शत्रु सक्रिय हो सकते हैं, प्रेम प्रसंग से दूर रहें, यह हानिकारक होगा। उच्च स्तरीय लोगों से सम्पर्क एवं विचार विमर्श लाभप्रद रहेगा, आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नौकरी एवं व्यापार में श्रेष्ठता, दाम्पत्य जीवन में अनुकूलता रहेगी।

माह के प्रमुख उत्सव

दिनांक	तिथि	पर्व/त्योहार
4 जुलाई	आषाढ़ शुक्ला द्वितीया	जगन्नाथ रथ यात्रा
7 जुलाई	आषाढ़ शुक्ला पंचमी	द्वारकाधीश पाटोत्सव, कांकरोली (राज.)
8 जुलाई	आषाढ़ षष्ठी/सप्तमी	साईं टेउराम जयंती
10 जुलाई	आषाढ़ शुक्ला नवमी	गड्डली नवमी
16 जुलाई	आषाढ़ शुक्ला पूर्णिमा	गुरु पूर्णिमा
18 जुलाई	श्रावण कृष्णा द्वितीया	हिण्डौला प्रारंभ
23 जुलाई	श्रावण कृष्णा षष्ठी	मंगला गौरी व्रत

वृश्चिक

व्यर्थ की भागदौड़ आपको व्यथित कर सकती है, वाहन आदि का प्रयोग सावधानी से करें अन्यथा दुर्घटना हो सकती है। विद्यार्थी वर्ग के लिए समय सामान्य है। आर्थिक मामलों में संयम से काम लें, व्यवसायी कर्ज न लें, वैवाहिक जीवन में दूसरों की दखल परेशानी देगी, आंखों की समस्या परेशान कर सकती है।

धनु

आकस्मिक यात्राओं से परेशान हो सकते हैं। परिवार व मित्रों में संवाद न होने से परेशानी बढ़ सकती है। पुराने एवं वरिष्ठ लोगों से मुलाकात की सम्भावना है। मानसिक तनाव के कारण कोई भी निर्णय ठीक से न ले पायेंगे, नौकरी एवं व्यवसाय सामान्य रहेगा, कोई नया काम शुरू न करें। वैवाहिक जीवन में अंतरंगता बढ़ेगी, संतान पक्ष से शुभ समाचार मिलेगा।

मकर

कार्य क्षेत्र में विवेकपूर्वक आरंभ नये कार्य लाभप्रद सिद्ध होंगे, अपनी ऊर्जा का भरपूर लाभ उठाएं, संवाद बराबर बनाये रखें, व्यवसाय के अनुकूल समय है। वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा, रुका हुआ धन प्राप्त होने से आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, संतान पक्ष से हर्षोल्लास, भाग्य का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा, स्थिर कार्यों पर ध्यान दें।

कुम्भ

समय में कोई विशेष परिवर्तन नहीं। आय की दृष्टि से यह माह पूर्वापेक्षा श्रेष्ठ है। परन्तु खर्चों की भी अधिकता रहेगी, संतान पक्ष को समस्याओं से निजात मिलेगी। व्यवसाय में निवेश करने से पहले वरिष्ठजनों से अवश्य ही परामर्श करें। पुराने मित्र मिल सकते हैं, भौतिक सुखों में वृद्धि के लिए खर्च बढ़ेगा। स्वास्थ्य उत्तम।

मीन

इस माह, सरकारी एवं गैर सरकारी नौकरी वालों को तरक्की मिलने की संभावना है जबकि व्यापारी वर्ग के लिए स्थाई निवेश लाभप्रद रहेगा। आपसी कलात्मक एवं रचनात्मक क्षमता की सराहना होगी, तो इसके चलते अचानक लाभ भी मिल सकता है, आर्थिक पक्ष सुदृढ़ रहेगा, वैवाहिक जीवन में गलतफहमी न पालें, व्यवसाय में बड़ा निवेश कर सकते हैं।

Bharatgas

बापना गैस डिस्ट्रीब्युटर्स

Download the new "Bharatgas Mobile Apps"
Experience it to believe it.

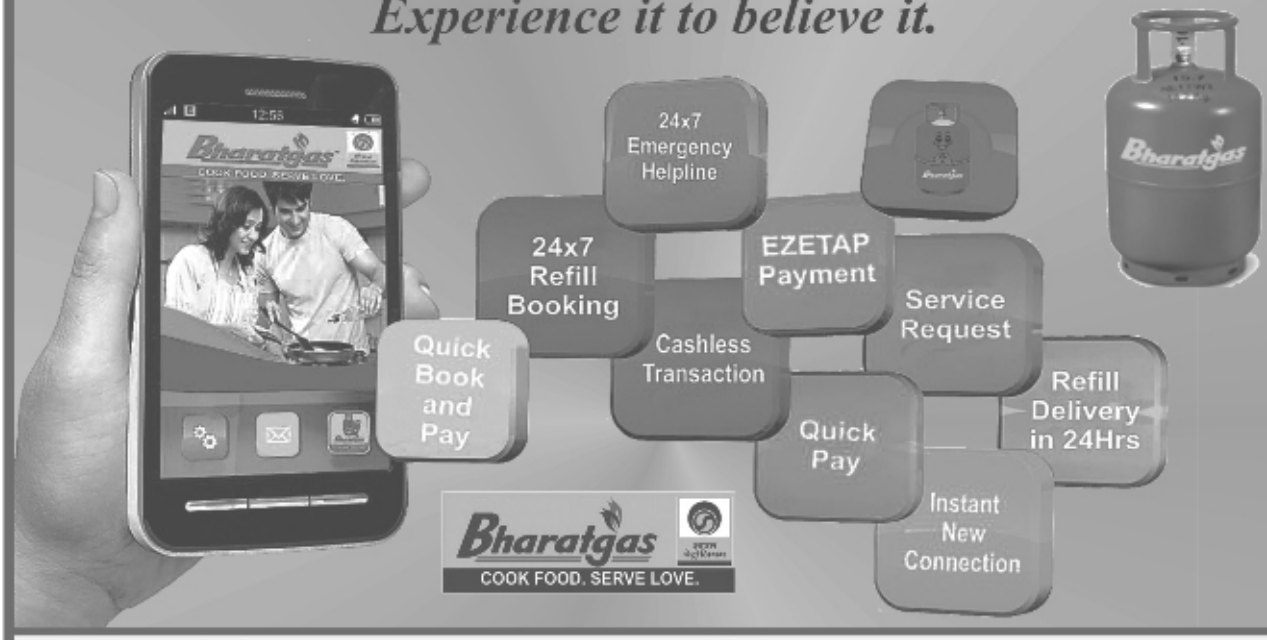

24/7 online booking

Book Karo Cook Karo

Call : 7715012345, 7718012345

24 घंटे, सम्पूर्ण भारत वर्ष में एक हेल्पलाइन नं. 1906

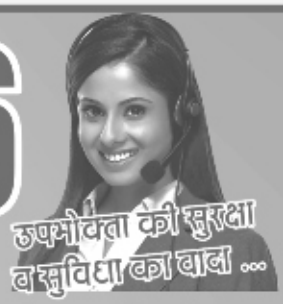

केवल आपातकालीन गैस लिकेज हेतु

1906 पर किसी प्रकार की अन्य शिकायत, जानकारी अथवा संदर्भ में फोन नहीं करें।
अपना कन्ज्यूमर नं. फोन डायल करते समय अपने हाथ में रखें।

भारत गैस सुरक्षा सेज का प्रयोग करें
आप www.MYLPG.in or www.bharatgas.in के द्वारा
भी सिलेण्डर बुक एवं पेमेंट ऑनलाइन कर सकते हैं।

एक छोटी लिकेज बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है, तुरन्त फोन करें।

4 पाठों की मगरी, सेवाश्रम, उदयपुर (राज.)

2418197, 2417858, 9829041280, E-mail : bapnagas@gmail.com

सहकारिता से संपूर्ण विकास : मराठे

उदयपुर। सहकार भारती के अखिल भारतीय बैंकिंग प्रकोष्ठ की बैठक महिला समृद्धि बैंक में 27 मई को हुई। इस मौके पर आरबीआई के निदेशक सतीश मराठे का अभिनंदन किया गया। मराठे ने कहा कि सहकारिता से ही देश का पूर्ण विकास संभव है। प्रकोष्ठ प्रमुख संजय बिरला ने बताया कि बैठक में देश के 1551 अरबन बैंकों की समस्याओं के समाधान, अरबन बैंकों के विकास, अरबन बैंकों को एक बुलंद आवाज बनने के लिए निर्णय लिए गए। मुख्य अतिथि बैंक की पूर्व अध्यक्ष डॉ. किरण जैन और विशिष्ट अतिथि प्रमोद सामर व प्रदीप चौबीसा थे। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, राजस्थान बैंकिंग प्रकोष्ठ प्रमुख विनोद चपलोत, ज्योतिन्द्र भाई मेहता, अध्यक्ष रमेश वैद्य, महासचिव उदय जोशी आदि मौजूद थे।

बैंक अध्यक्ष विद्या किरण अग्रवाल, डॉ. किरण जैन एवं उपाध्यक्ष सुनीता मांडावत मराठे को पुरस्कार प्रदान करते हुए।

चरण स्पर्श में हर समस्या का हल : आर. के. जैन

उदयपुर। टच स्क्रीन मोबाइल से विश्वभर का ज्ञान तो मिलता है, लेकिन इसकी अति तकलीफ देह है। तकनीक के दुरुपयोग से रिश्ते टूटते जा रहे हैं। लेकिन टच स्क्रीन की जगह अगर टच फिट यानी चरण स्पर्श किया जाए तो उसका कोई भी नुकसान नहीं है, बल्कि फायदा ही देगा। टेक्नोलॉजी ने हमें परिवार और खुद से तोड़ दिया है। टेक्नोलॉजी की ऐसी बाढ़ आई है कि जिसे हम समझ नहीं पा रहे हैं। वह हम पर हावी हो गई है इस कारण बीमारी, डिप्रेशन, टूटते-बिखरते रिश्ते, सुसाइड, तलाक यह सब बढ़ रहा है। रिश्तों और पारिवारिक मूल्यों पर अपनी यह खास सलाह जाने-माने मोटिवेशनल स्पीकर राहुल कपूर जैन ने पिछले दिनों जैन इंटरनेशनल ट्रेडिंग ऑर्गेनाइजेशन जीतो द्वारा शौर्यगढ़ में आयोजित चरण स्पर्श कार्यक्रम में शहरवासियों को दी।

राहुल कपूर की स्पीच से पहले जैन इंटरनेशनल ट्रेडिंग ऑर्गेनाइजेशन जीतो द्वारा राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किए गए विभिन्न कार्यों को शॉर्ट मूवी के माध्यम से दर्शाया गया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया, जीतो अपेक्स प्रेसिडेंट गणपत चौधरी, यूसीसीआई अध्यक्ष हंसराज चौधरी, जीतो अपेक्स के सीईओ ललित जैन, जीतू राजस्थान जॉन चेयरमैन शांतिलाल मारू, जीतो अपेक्स डायरेक्टर अशोक कोठारी, जीएटीएफ जीतो उदयपुर चेप्टर चेयरमैन शांतिलाल मेहता, जीएटीएफ जीतो उदयपुर चेप्टर के जनरल सेक्रेटरी महावीर चपलोत सहित जीतो के अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

श्रीसीमेंट को सीएसआर अवार्ड 2019

ब्यावर। श्रीसीमेन्ट को समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए गत दिनों जयपुर में आयोजित समारोह में राजस्थान सीएसआर अवार्ड-2019 से सम्मानित किया गया। उद्योग मंत्री परसादीलाल मीणा से यह पुरस्कार कम्पनी की ओर से उपाध्यक्ष-कार्मिक एवं प्रशासन पुष्पेन्द्र भारद्वाज ने प्राप्त किया।

श्रीसीमेन्ट को 'महिला सशक्तिकरण एवं स्वास्थ्य सेवा' की श्रेणी में यह अवार्ड प्रदान किया गया है। कम्पनी द्वारा गाँवों में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, शौचालय, निर्माण, महिलाओं एवं किशोरी बालिकाओं की स्वास्थ्य जागरूकता के साथ-साथ विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी किया जाता रहा है।

कम्पनी के पूर्णकालिका निदेशक पी. एन. छंगाणी, अध्यक्ष वाणिज्यिक संजय मेहता व संयुक्त अध्यक्ष वाणिज्यिक अरविन्द खींचा ने अवार्ड प्राप्ति पर हर्ष व्यक्त किया है।

श्रीसीमेंट के उपाध्यक्ष पुष्पेन्द्र भारद्वाज पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

पर्यावरण बचाने की पैरवी

औद्योगिक प्रतिष्ठानों ने मनाया पर्यावरण दिवस

उदयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस पर बांगुर सिटी(ब्यावर) स्थित श्रीसीमेंट परिसर, जेके ग्राम कांकरोली स्थित जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लि. और वन विभाग उदयपुर की ओर से विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली गई।

श्रीसीमेंट परिसर में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनचेतना जागृति के लिए विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन एवं नि:शुल्क पौधों का वितरण किया गया। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक पीएन छंगाणी ने कारखाना परिसर में स्वच्छ पर्यावरण बनाए रखने की अपील की उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कम्पनी के विश्व स्तरीय प्रयासों की भी जानकारी दी। वरिष्ठ महाप्रबंधक (पर्यावरण) डॉ. अनिल त्रिवेदी ने अपने उद्बोधन द्वारा कार्मिकों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सदैव जागरूक रहने को प्रेरित किया। कम्पनी उपाध्यक्ष सतीश माहेश्वरी, संजय जैन, पुष्पेन्द्र भारद्वाज, सहायक उपाध्यक्ष शैलेष हावा, पंकज अग्रवाल, आदि ने परिसर में वृक्षारोपण भी किया। संचालन गिरिधारी लाल यादव ने किया।

जैविक उद्यान (बायोलॉलिकल पार्क) में नई तकनीक 'ऑगमेन्टेड रियलिटी' का लोकार्पण राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने किया।

जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज, कांकरोली में प्रबंधक(सुरक्षा एवं पर्यावरण) अतुल मिश्रा द्वारा पर्यावरण संकल्प दिलाने एवं महाप्रबंधक(कमर्शियल) अनिल मिश्रा द्वारा पौधारोपण के साथ कार्यक्रम का आगाज हुआ। इस अवसर पर डीएस सीखी, राकेश श्रीवास्तव, डी. के. पोरवाल, रवि पंथ, एम. के. शर्मा, एस. एस. चारण, पी. के. जैन, पवन राजपूत, पारस जैन, बाबूलाल शर्मा आदि भी उपस्थित थे।

उदयपुर में वन विभाग की ओर से जैविक उद्यान सज्जनगढ़ में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी ने कहा कि रणथम्भौर व सरिस्का की तरह कुंभलगढ़ अभयारण्य में भी बाघ लाने के प्रयास होते हैं तो मेवाड़ में देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या में इजाफा होगा। कार्यक्रम में ऑगमेंटेड रियल्टी एप का लोकार्पण भी किया गया। समारोह में मुख्य वन संरक्षक(वन्य जीव) राहुल भटनागर ने बायोलॉजिकल पार्क में अब तक के नवाचारों की जानकारी दी।

श्रीसीमेंट के अधिकारी वृक्षारोपण करते हुए।

जे के टायर के अधिकारी वृक्षारोपण करते हुए।

सिंघवी यूसीसीआई अध्यक्ष बने

उदयपुर। उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री(यूसीसीआई) के पिछले माह हुए चुनाव में रमेश कुमार सिंघवी वर्ष 2019-20 के लिए अध्यक्ष चुने गए। यूसीसीआई भवन में पी.पी. सिंघल ऑडिटोरियम में

मतदान के बाद हुई मतगणना में सिंघवी के अध्यक्ष पद पर निर्वाचन की घोषणा की गई। चुनाव में वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेमन्त जैन, उपाध्यक्ष मनीष गलुण्डिया निर्वाचित हुए। इसी प्रकार कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अजय मुर्डिया, अनिल मिश्रा, राजेन्द्र कुमार हेड़ा, डॉ. रीना राठौड़, श्वेता दुबे, सुभाष सिंघवी चुने गए।

लघु एवं माइक्रो उपक्रम श्रेणी से अचल एन. अग्रवाल, अरविन्द मेहता, हितेष पटेल, कपिल सुराणा, नरेन्द्र जैन, प्रदीप गांधी, प्रखर बाबेल, राजेन्द्र कुमार चण्डालिया, राकेश चौधरी, ट्रेडर्स(व्यापारी) वर्ग में अरिहन्त दुगड़, प्रतीक नाहर, राकेश माहेश्वरी चुने गए। प्रोफेशनल्स तथा शैक्षणिक संस्थान वर्ग में हेमन्त मेहता, पीयूष भंसाली, महिला सदस्य वर्ग में नीलिमा सुखाड़िया, सीमा पारीक, मेम्बर बॉडीज एवं एसोसिएशन वर्ग में बसन्तीलाल कोठीफोड़ा, ओमप्रकाश नागदा, विजय गोधा, पूर्व अध्यक्ष श्रेणी से महेन्द्र टाया व प्रतापसिंह तलेसरा चुने गए। हंसराज चौधरी निवर्तमान अध्यक्ष की हैसियत से कार्यकारिणी सदस्य होंगे।

महिला समृद्धि बैंक का रजत जयंती वर्ष शुरु

उदयपुर। दी उदयपुर महिला समृद्धि अरबन को-ऑपरेटिव बैंक लि. की 25वीं आमसभा मुख्य अतिथि विधायक गुलाबचंद कटारिया, उपरजिस्ट्रार सहकारी समितियां जयदेव देवल एवं बैंक की पूर्व अध्यक्ष डॉ. किरण जैन के विशिष्ट आतिथ्य में हुई। बैंक अध्यक्ष विद्याकिरण अग्रवाल ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया एवं उपलब्धियों, आगामी योजनाओं एवं सामाजिक दायित्वों की जानकारी दी। वर्तमान में बैंक की जमाएं 130.82 करोड़ एवं ऋण 54.21 करोड़ हो गए हैं। बैंक ने 1 करोड़ 33 लाख का लाभ कमाया। बैंक की पूर्व अध्यक्ष डॉ. किरण जैन ने कहा कि बैंक की कई योजनाएं महिलाओं के स्वावलम्बन से जुड़ी हुई हैं। मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद चपलोत ने बैंक के लेखे प्रदर्शित किए। आभार विमला मूंदड़ा ने ज्ञापित किया। समारोह में बैंक में अच्छे लेन-देन के लिए ग्राहकों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। तीन महिलाओं को नि:शुल्क सिलाई मशीन देकर उन्हें रोजगार देने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर रजत जयंती वर्ष का 'लोगो' भी जारी किया गया।

प्रताप सिंह अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। लेकसिटी प्रेस क्लब के चुनाव 26 मई को प्रेस क्लब सभागार में हुए। प्रताप सिंह राठौड़ अध्यक्ष निर्वाचित हुए। वे दूसरी बार अध्यक्ष बने हैं। कुल 141 में से प्रताप को 107 मत मिले। चुनाव अधिकारी अरुण व्यास व चुनाव संयोजक भगवान प्रजापत थे। राठौड़ के प्रतिद्वंद्वी प्रत्याशी प्रमोद गौड़ को 33 वोट मिले।

'नागदा समाज दर्पण' का विमोचन

उदयपुर। नागदा ब्राह्मण महासभा की ओर से गत दिनों नागदा वाटिका में प्रतिभा सम्मान एवं पारिवारिक परिचय पुस्तिका 'नागदा समाज दर्पण' का विमोचन समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि स्थल आश्रम के महंत रास बिहारी शरण ने कहा कि ब्राह्मण समाज को गुरु कहा गया है और उसी अनुरूप इस समाज को अपने बच्चों को संस्कारित करना होगा। ब्राह्मण समाज को समाज के वंचित वर्ग की शिक्षा-दीक्षा के क्षेत्र में भी आगे आना होगा। समारोह की अध्यक्षता समाज के केन्द्रीय अध्यक्ष भंवरलाल नागदा ने की।

विशिष्ट अतिथि प्रत्यूष के सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी, विप्र फाउण्डेशन जोन-1 के अध्यक्ष के. के. शर्मा, शहर भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष मांगीलाल जोशी, नरेन्द्र नागदा, गणेश नागदा, रूपलाल नागदा, लक्ष्मीलाल नागदा, छगन नागदा, मांगीलाल नागदा आदि ने भी विचार व्यक्त किए। समाज के 70 प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। परिचय पुस्तिका के सम्पादक शांतिलाल नागदा ने आभार व्यक्त किया।

अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में बताया गंजेपन का उपचार

उदयपुर। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रशांत अग्रवाल ने टर्की में हुई चौथी सौंदर्य विज्ञान में संवाद अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इसमें सौंदर्य रोग एवं उनकी समस्याओं के निदान, उपचार, नवीनतम उपायों और तकनीकों पर मंथन हुआ। डॉ. अग्रवाल ने बाल और गंजेपन की समस्याओं के उपचार पर पैनल डिस्कशन में भाग लिया। कॉन्फ्रेन्स में देश-विदेश के 200 चर्म रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

तकनीकी मदद के लिए निगम ने किया एमओयू

उदयपुर। यूरोपियन यूनियन के इंटरनेशनल अरबन को-ऑपरेशन प्रोग्राम के तहत 4 जून को मेयर चंद्रसिंह कोठारी, आयुक्त अंकित कुमार सिंह और इस प्रोग्राम के टीम लीडर डॉ. पैनाग्योटिस करमानोस ने एक समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत उदयपुर नगर निगम आरहूस, डेनमार्क के साथ जुड़कर वैश्विक भागीदारी और प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान कर कुशल शहरी नियोजन पर कार्य करेगा। उदयपुर और आरहूस के बीच डेनिश विदेश मंत्रालय के सहयोग से यह समझौता हुआ है। विशेषज्ञों की टीम उदयपुर आकर तकनीकी राय देगी और उसकी कार्ययोजना बनाकर उस पर काम किया जाएगा। इस दौरान निगम के अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता अरुण व्यास, अधीक्षण अभियन्ता मुकेश पुजारी, अधिशासी अभियन्ता मनीष अरोड़ा और यूरोपियन यूनियन इंटरनेशनल अरबन को-ऑपरेशन के प्रतिनिधि आशीष वर्मा भी मौजूद थे।

जैन सोशल ग्रुप 'स्वस्तिक' ने शपथ ली

उदयपुर। जैन सोशल ग्रुप के स्वस्तिक ग्रुप का शपथ ग्रहण समारोह रसिकलाल एम. धारीवाल पब्लिक स्कूल, चित्रकूट नगर में हुआ। इसमें मेवाड़ रीजन के चेयरमैन आर सी मेहता ने अध्यक्ष धीरज छाजेड़, सचिव सुनील गांग के नेतृत्व में कार्यकारिणी की शपथ दिलाई। मुख्य अतिथि गजेन्द्र भंसाली थे। रीजन के संस्थापक एवं पूर्व चेयरमैन ओ पी चपलोत, उपाध्यक्ष अभय कुमार सांखला, सहसचिव विकास तलेसरा, कोषाध्यक्ष दीपक लोढ़ा, जैन सोशल ग्रुप के इंटरनेशनल डायरेक्टर रोशनलाल जोधावत आदि मौजूद थे।

सीपीएस विद्यार्थियों की उपलब्धि

उदयपुर। सेन्ट्रल पब्लिक सी. सैकण्डरी स्कूल की कक्षा पाँच की छात्रा सुहानी पटेल ने इन्दौर में सम्पन्न हैंड राइटिंग ओलंपियाड में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। इसी कड़ी में राज्य स्तर पर 'बी' श्रेणी में सीपीएस के रुद्र रावल को राज्य चैंपियनशिप अवार्ड मिला।

सॉनिक व एसबीआई जनरल इन्श्योरेन्स के तत्वावधान में आयोजित यह प्रतियोगिता पहले विद्यालय स्तर पर तत्पश्चात् राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गई। स्कूल की चेयरपर्सन अलका शर्मा, प्रशासकीय निदेशक-अनिल शर्मा, प्रधानाध्यापिका-पूनम राठौड़, प्रशासक-सुनील बाबेल और उपप्रधानाध्यापिका धीरा सामर ने विजेता छात्र-छात्रा को बधाई दी व उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

वैष्णव पुनः अध्यक्ष निर्वाचित

उदयपुर। होटल एसोसिएशन, उदयपुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सचिव सहित 15 पदों के लिए हुए पिछले माह द्विवार्षिक आम चुनाव सम्पन्न हुए। चुनाव अधिकारी डॉ. नरेन्द्र धींग ने बताया कि भगवान-वैष्णव को अध्यक्ष, धीरज जोशी-वरिष्ठ उपाध्यक्ष, गौरव भण्डारी-उपाध्यक्ष के पद पर निर्विरोध निर्वाचित किया गया। ज्ञातव्य है कि भगवान वैष्णव दूसरी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्वाचित हुए।

होण्डा-एक्टिवा लाँच

उदयपुर। होंडा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर प्राइवेट लिमिटेड के दुपहिया वाहन विक्रय में सर्वोच्च शिखर पर स्थापित होंडा एक्टिवा का अधिकृत डीलर लेकसिटी होंडा पर होंडा एक्टिवा का लिमिटेड एडिशन विक्रय हेतु जारी किया गया।

कम्पनी के महाप्रबन्धक शील मोहन ने बताया कि कंपनी के क्षेत्रीय अधिकारी हर्ष पाठक व डायरेक्टर वरूण मुर्डिया ने ग्राहकों की उपस्थिति में विक्रय हेतु इसका अनावरण किया। यह मॉडल दो आकर्षक रंगों में उपलब्ध है। इसकी मुख्य विशेषताओं में मेटल मफलर कवर, नए ग्राफिक्स रॉयल सीट, इनरकवर के साथ उपलब्ध है। ग्राहकों द्वारा इसकी बुकिंग भी कराई गई। समारोह में अनेक ग्राहकों को डिलीवरी भी दी गई।

रामजी हुण्डई पर एसयूवी वेन्यू लांच

उदयपुर। चार पहिया वाहन निर्माता कंपनी हुण्डई की नई एसयूवी वेन्यू हाल ही स्थानीय डीलर रामजी हुंडई पर एक समारोह में लांच की गई। मुख्य अतिथि उद्योगपति अरविन्द सिंघल, विशिष्ट अतिथि एसबीआई के उप महाप्रबन्धक एस विजय कुमार थे। रामजी हुण्डई के युद्धवीर सिंह शक्तावत ने बताया कि कम्पनी ने नई एसयूवी को 33 नए फीचर्स के साथ सुसज्जित किया है। इसमें जियोफेन्स अलर्ट, पैनिक नोटिफिकेशन, रिमोट इंजिन स्टार्ट-स्टॉप, क्लाईमेट कन्ट्रोल आदि फीचर्स शामिल हैं। उन्होंने बताया कि हुण्डई विश्व में नए फीचर्स को अपनी गाड़ी में उतारने के लिए सबसे आगे रहती है। इस अवसर पर रामजी हुण्डई के निदेशक दामोदर पटेल, कुलदीप पटेल, भूपेश पटेल, डॉ. जे के छापरवाल, बीएच बापना, बीएस कानावत, डॉक्टर ए के गुप्ता सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

एमजी मोटर्स ने खोला शहर में शोरूम

उदयपुर। विश्व की अग्रणी एवं कई आला सितारों की पसंदीदा कार निर्माता कंपनी एमजी मोटर्स ने शहर में नया शोरूम चम्बल मोटर्स मादड़ी इण्डस्ट्रीयल एरिया में खोला हैं, जिसमें कारों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। चम्बल मोटर्स के निदेशक राजीव कोहली ने बताया कि यह देश की पहली इन्टरनेट कनेक्टेड कार है जिसे फोन एप से 50 से अधिक फीचर्स कन्ट्रोल किये जा सकते हैं। यह पूर्णतया भारत में निर्मित कार जिसको आकर्षक डिजाइन, 102 से अधिक वॉइस कमाण्ड, 360 डिग्री कैमरा, 6 एयर बैग, 10.4 इंच टच स्क्रीन, पैनोरमिक सन रूफ, फ्रन्ट पार्किंग, सेन्सर, 48 वोल्ट बैट्री हाईब्रिड टेक्नोलॉजी आदि फीचर्स इस कार को इस श्रेणी की कारों से अलग बनाते हैं।

जीप ट्रेल हॉक की लाँचिंग

उदयपुर। चार पहिया वाहन निर्माता कम्पनी 'जीप' द्वारा बाजार में उतारी गई नई गाड़ी जीप कम्पास ट्रेल हॉक को पिछले दिनों समारोहपूर्वक कम्पनी के अधिकृत डीलर निधि कमल जीप शोरूम पर महाप्रबन्धक हेमेन्द्र सिंह पंवार ने लॉन्च किया।

सिंह ने बताया कि यह भारत की प्रथम बीएसव 6 डीजल एसयूवी है। इसमें चार बाई चार के साथ सभी तरह के रास्तों के लिए रॉक, सेण्ड, मड, स्नो एवं ऑटो पांच मोड उपलब्ध हैं। इसमें कम्पनी ने ग्राहक के कम्फर्ट एवं लग्जरी का भी ध्यान रखा गया है। इस गाड़ी में 9 स्पीड ऑटोमेटिक उपलब्ध है।

नारायण सिलाई केन्द्र का उद्घाटन

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ में पिछले माह सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन किया गया। केन्द्र में ऑटोमेटिक मशीनें लगाई गई हैं। दिव्यांग एवं निर्धन युवाओं के उत्थान एवं पुनर्वास को लेकर केन्द्र की स्थापना की गई। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि दिल्ली के प्रमुख होटल उद्यमी रमेश गोयल, वस्त्र निर्यातक शरद गुप्ता और संस्थापक पद्मश्री कैलाश 'मानव' ने शुभारंभ किया। केन्द्र में 35 मशीनें लगी हैं, वहीं तीन साल में 500 मशीनें लगाकर एक हजार युवाओं को रोजगार से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। सहसंस्थापिका कमला देवी अग्रवाल ने भी विचार व्यक्त किए। संचालन महिम जैन ने किया।

शर्मा को एक्सीलेंस अवार्ड

उदयपुर। दुबई में सरस्वती नर्सिंग कॉलेज उदयपुर के गिरीश शर्मा दुबई राजघराने के सुहेल मोहम्मद अलजरूनी से सम्मानित होते हुए।

卐 ॐ जय भोलेनाथ 卐

खाली बोतलें, काँच शीशी,
पेपर रद्दी, ओल्ड स्क्रेप
एवं अन्य डिस्पोजल
वस्तुओं के क्रेता एवं विक्रेता

विजय पंजवानी (विजु भाई)
मो. 7737746140, 9950271626
राकेश पंजवानी
मो. 9352524901, 7568267951

श्रीराम ओल्ड स्क्रेप

यूआईटी, शॉप नं. 8-9, आई.ओ.सी. डिपो के सामने,
हिरणमगरी सेक्टर 11, उदयपुर

पाठकों के लिए ...

प्रत्यूष हिन्दी मासिक पत्रिका समय पर नहीं मिलने पर कार्यालय में नं. **7597911992, 9414166737** पर संपर्क करें।

पत्रिका में प्रकाशन हेतु आलेख, समाचार, फोटो आदि पत्रिका के ईमेल पते पर भेंजे।

जिन सदस्यों को डाक से पत्रिका भेजी जा रही है, नहीं मिलने की स्थिति में क्षेत्र के पोस्टमैन से सम्पर्क करें तथा उसके बाद प्रत्यूष कार्यालय को ई-मेल **(pankajkumarsharma2013@gmail.com)** सूचित करें।

शोक समाचार

उदयपुर। श्रीमती रामकन्या देवी जी धर्मपत्नी स्व. इन्द्रलाल जी तम्बोली का 95 वर्ष की आयु में 28 मई, 2019 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र कन्हैयालाल, कैलाशचन्द्र, सुरेशचन्द्र व अशोक तम्बोली (इंटक नेता), पुत्रियां बसंती देवी व कंचन देवी सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध व सम्पन्न परिवार छोड़ गई हैं। उनके निधन पर विधायक एवं पूर्व गृहमंत्री गुलाब चंद कटारिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा, पूर्व यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली सहित अनेक सामाजिक व राजनैतिक कार्यकर्त्ताओं ने शोक व्यक्त किया है।

उदयपुर। श्री भेरूलाल जी साहू नैणावा (बेदला वाले) का 2 जून 2019 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती मोहिनी देवी, पुत्र कन्हैयालाल, जगदीश व डॉ. देवेन्द्र साहू, पुत्रियां सीता सोनावा, गीता कसोदणिया व उषा रेगा सहित पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री हरीश जिन्दल के सुपुत्र संदीप जिन्दल का 26 मई, 2019 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय माता-पिता मीना देवी-हरीश जिन्दल, धर्मपत्नी श्रीमती मनीषा देवी, पुत्र प्रत्यूष व कार्तिक तथा भाई-भतीजों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के संघटक सीटीएई कॉलेज की देशभर में पहचान बनाकर एग्रीकल्चर इंजीनियरिंग में अतुल्य योगदान देने वाले पूर्व कुलपति डॉ. केदार नारायण नाग का 25 मई, 2019 को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र हेमन्त नाग, पुत्रियां श्रीमती माला व साधना तथा पौत्र, दोहित्र-दोहित्रियों का समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं। कृषि शिक्षाविद् नाग के निधन पर विभिन्न संस्थाओं व विश्वविद्यालयों के शिक्षकों ने गहरा शोक प्रकट किया है।

!! Shri Sanwaliya Seth Ki Jai !!

EXPERIENCED PERMANENT FACULTY
UDAIPUR'S BEST INNOVATION LAB
UDAIPUR EMINENT SCIENCE LAB

ABHINAV
Senior Secondary School

Spreading Education Since 1989

Academic Achievement-2019

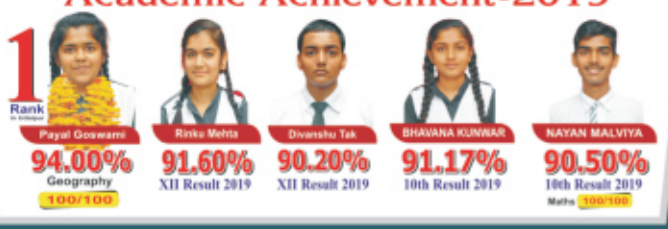

Nursery to XII
Hindi & English Medium
Science | Commerce | Arts

Excellent Academic Achievements
Udaipur's Best Innovation Lab

Campus : 9, Adarsh Nagar, Behind Police Line Udaipur (Raj.)
0294 2584598, 9413762552
www.abhinavsansthan.com

मनमोहक एवं सुगन्धित खुशबू जो आपके जीवन में लाये खुशहाली

250 Products Available

CHETAK HORSE

ISO 9001:2008 CERTIFIED

Archana®
Agarbatti

EXPORT QUALITY Since 1947 AGARBATTI

Registered office :
ARCHANA AGARBATTI NAVBHARAT INDUSTRIES

N.H. 76, Airport Road, Glass Factory Choraha,
UDAIPUR - 313001 (Rajasthan)
Customer Care Number : 0294-2492161, 2490899

E-mail : sales@archanaagarbatti.com
Website : www.archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti

GURU NANAK PUBLIC SCHOOL SABHA, UDAIPUR

SALIENT FEATURES

- Well Experienced and Devoted Faculty
- Huge Infrastructure
- Purified water Facility
- Well Stocked Library
- Spacious & Airy Class Rooms
- Seminar/Guidance for Various Professional Courses and Employment
- Modern Laboratory of Physics, Chemistry, Biology, Computer Science, Maths, Home Science, Geography, Drawing Etc.
- Qualitative Board Results
- Special Career Counseling by Eminent Expert
- Campus Under CCTV Camera
- Indoor & Outdoor Games
- Separate Primary Section
- CCA Activities
- Bus Facility
- NCC Girls' Unit

ADMISSIONS OPEN 2019-20

GURU NANAK PUBLIC SR. SEC. SCHOOL

Hiranmagri Sector - 4
Udaipur

Shastri Circle
Udaipur

(For Nursery to XII)
(Affiliated to RBSE Board)
Hindi & English Medium Co-educational School
Stream : Science, Commerce & Arts

Chittorgarh, Devri
NH 76
(For Nursery to VIII)

Note :- Admission forms for All Classes are Available in Office Between 8.00 am to 2.00 pm

GURU NANAK GIRLS' P.G. COLLEGE, UDAIPUR

(Affiliated to Mohan lal Sukhadia University, Udaipur)

UNDER GRADUATE	POST GRADUATE
B.A.	M.A. (English Literature, Hindi, History, Home Science, Psychology, Political Science, Sociology)
B.Sc.	M.Sc. (Organic Chemistry)
B.Com.	Commerce (Accontancy & Business Statistics)
BBM	PGDCA
BCA	

Research (Ph.D)
Arts (English Literaturs, Psychology, Sociology)

B.Ed. Course
100 Seats (2 Unit)
Arts (70 Seats)
Science (20 Seats)
Commerce (10 Seats)

Smt. Vibha Vyas
(Principal)
Hiranmagri Sector 4, Udaipur
Ph. : 0294-2462108, 2462008

Shri Firdos Pathan
(Principal)
Shastri Circle, Udaipur
Ph. : 0294-2413429

Shri Prakash K. Vaishnav
(Head Master)
Chittorgarh, Devri, NH 76 (Nur. to VIII)
Mob. : 9166439199, 9928355026

Prof. N.S. Rathore
(Principal)
Guru Nanak Girls' P.G. College, Sector 4, Udaipur, Ph. : 0294-2462239, 2467231

S. Chiranjiv Singh Grewal
President

S. Charanjeet Singh Dhillon
Vice President

S. Amarpal Singh Pahwa
Secretary

S. Satnam Singh
Joint Secretary

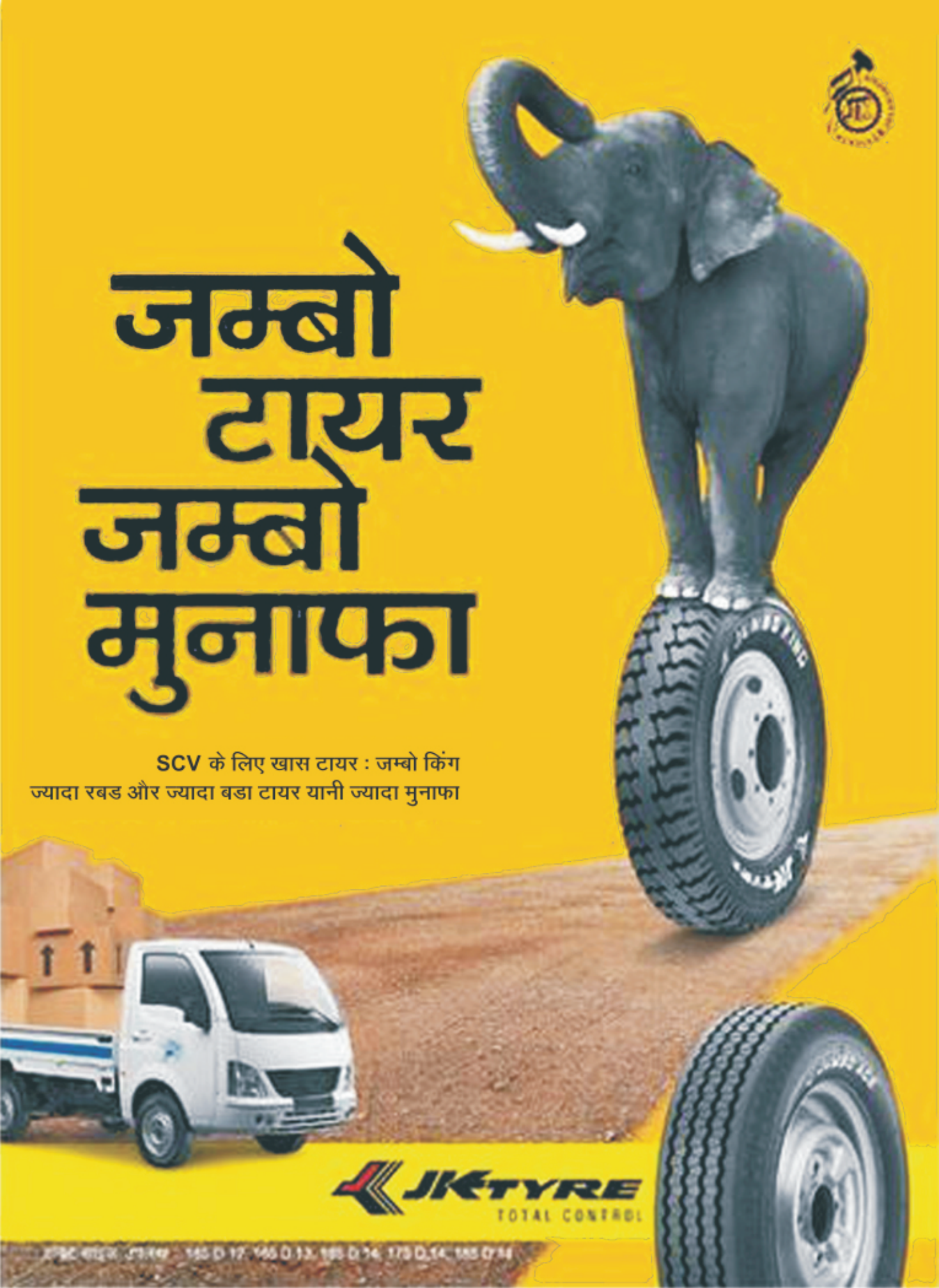

जम्बो टायर
जम्बो मुनाफा
SCV के लिए खास टायर : जम्बो किंग
ज्यादा रबड और ज्यादा बडा टायर यानी ज्यादा मुनाफा
JK TYRE
TOTAL CONTROL

www.technonjr.org
Email: technonjr@gmail.com

TECHNO INDIA NJR
INSTITUTE OF TECHNOLOGY

(AICTE APPROVED. AFFILIATED TO RTU)

LIVE YOUR DREAMS. BE A TECHNOITE

facebook

Somnath Joins Facebook, London at a Package of 1 Crore/Annum

Google

Akshay Nandwana Invited by Google, California

Nirdarshana Becomes Indian Air Force Pilot

सत्यमेव जयते

Kavita Joshi Becomes Sarpanch

For Admission Contact

● Dr. Yasmin ✆ 8696932708

CAMPUS: Plot- SPL-T, Bhamashah (RIICO) Industrial Area Kaladwas, Udaipur